आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 103। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, गुरुवार, 17 अप्रैल, 2025

लाड़ली बहना सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को मिली सहायता राशि की सौगात

बहनों को दिलाएंगे उनका पूरा हक : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माताओं, बहनों और बेटियों के हित में हमारी सरकार हमेशा उनके साथ हैं। इनके लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। बहनों को हमारी सरकार उनका हर वाजिब हक दिलायेगी। राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में आधी आबादी की पूरी भूमिका हो, इसे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। देश की राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़े, इसके लिए आगामी वर्षों में लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार पहले ही निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर चुकी है।

संबोधन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंडला जिले के टिकरवारा गांव में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहाँ आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की लाड़ली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिए 2500 करोड़ से अधिक की सम्मान एवं सहायता राशि अंतरित की। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित होने के लिए सुश्री शुचि उपाध्याय का मंच से अभिनंदन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं में हितलाभ और युवाओं को नियुक्ति-पत्र भी वितरित किये।

मंडला को मिली 232 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश की 1.27 करोड़ बहनों को 1552.38 करोड़ रुपए, 56.68 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना में पात्र 25 लाख बहनों को 450 रुपए में सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 57 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। सरकार द्वारा अब तक लाड़ली बहनों को 36 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक की सम्मान राशि प्रदान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंडला के विकास को गति देने के लिए 232 करोड़ रुपए की लागत वाले 66 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंडला जिले में सुरखी-इंद्री मार्ग पर 16 करोड़ 61 लाख रुपए की लागत से नया पुल बनाने और बंजर नदी में नवनिर्मित एक अन्य पुल का लोकार्पण कर इसका नामकरण अमर शहीद शंकर शाह रघुनाथ शाह सेतु करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला के विकास में सरकार कोई भी कमी नहीं छोड़ेगी।

परिणय सूत्र में बंधे 1100 नवविवाहित दंपत्तियों को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह में परिणय-सूत्र में बंधे 1100 से अधिक नवविवाहित दंपत्तियों पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आज नवविवाहित दंपत्तियों को 49-49 हजार की राशि प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 16 संस्कारों में विवाह सबसे बड़ा होता है। नवदंपत्ति नए संकल्पों के साथ सपनों का संसार बसाने के लिए आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में कमाई का एक हिस्सा बचाएं जिससे भविष्य में अपने साथ बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोगों से विवाह समारोह पर बेहिसाब खर्च से बचने का सुझाव देते हुए कहा कि कन्या विवाह/निकाह योजना के सामूहिक विवाह में शामिल होकर कोई भी कम खर्च में धूमधाम से शादी कर सकता है। उन्होंने आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग एवं किसानों को शादियों में टीका, दहेज और मृत्यु भोज के लिए कर्ज न लेने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी कुरीतियों से समाज का विकास बाधित होता है। इसके बजाय सभी जनजातीय बंधु अपने बच्चों को पढ़ायें, लिखायें और उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए समर्थ बनायें। उन्होंने कहा कि एक सुसंस्कृत बच्चा ही सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देता है। अपने बच्चों को सामर्थ्यवान बनाना ही राष्ट्र निर्माण है, सच्ची राष्ट्र सेवा है।

लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए संकल्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि प्रदान करने के लिए हर महीने बहनों के खातों में राशि भेजकर रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। अगर बहनों के हाथ में कुछ पैसा आए वो पूरे घर का समुचित प्रबंधन करती हैं। आज बहनों को उज्ज्वला योजना, पक्के मकान जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रदेश सरकार नागरिकों के सुख-दुख की चिंता करते हुए गरीब, महिला, युवा और किसान सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रयासरत है। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पंप बांटे जाएंगे, जिसका लाभ प्रदेश के 5 से 10 हॉर्स पॉवर पंप वाले किसानों को मिलेगा। साथ ही बिजली विभाग सरप्लस बिजली किसानों से खरीदेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता के माध्यम से किसान और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए नई योजना शुरु की गई है, 25 गाय-भैंस पालने पर 25 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। राज्य सरकार ने शासकीय गौशालाओं के लिए अनुदान राशि भी 20 से बढ़ाकर 40 रुपए की है। हमारी सरकार घर-घर गोकुल बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

केंद्र सरकार से पूछा- क्या हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में मुस्लिमों को जगह देंगे

वक्फ कानून पर तत्काल रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दो घंटे सुनवाई हुई। इस कानून के खिलाफ 100 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन पर केंद्र से जवाब मांगा है, लेकिन कोर्ट ने कानून के लागू होने पर तत्काल रोक नहीं लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोध में देशभर में हो रही हिंसा पर चिंता जताई। इस पर SG ने कहा कि ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव डालने के लिए किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि हम इस पर फैसला करेंगे। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ कानून के तहत बोर्ड में अब हिंदुओं को भी शामिल किया जाएगा। यह अधिकारों का हनन है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है। CJI संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं।'

सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट अब गुरुवार 2 बजे सुनवाई करेगा। सुनवाई में अपीलकर्ताओं ने वक्फ बोर्ड बनाने, पुरानी वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन, बोर्ड मेंबर्स में गैर-मुस्लिम और विवादों के निपटारों को लेकर मुख्य दलीलें दीं।

वक्फ बोर्ड बनाने की प्रक्रिया

अपीलकर्ता कपिल सिब्बल ने कहा,' हम उस प्रावधान को चुनौती देते हैं, जिसमें कहा गया है कि केवल मुसलमान ही वक्फ बना सकते हैं। सरकार कैसे कह सकती है कि केवल वे लोग ही वक्फ बना सकते हैं जो पिछले 5 सालों से इस्लाम को मान रहे हैं? इतना ही नहीं, राज्य कैसे तय कर सकता है कि मैं मुसलमान हूं या नहीं और इसलिए वक्फ बनाने के योग्य हूं?'

पुरानी वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन पर

सिब्बल ने कहा, यह इतना आसान नहीं है। वक्फ सैकड़ों साल पहले बनाया गया है। अब ये 300 साल पुरानी संपत्ति की वक्फ डीड मांगेंगे। यहां समस्या है। केंद्र की ओर से **SG** तुषार मेहता ने कहा कि वक्फ का रजिस्ट्रेशन हमेशा अनिवार्य रहेगा। 1995 के कानून में भी ये जरुरी था। सिब्बल साहब कह रहे हैं कि मुतवल्ली को जेल जाना पड़ेगा। अगर वक्फ का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ तो वह जेल जाएगा। यह 1995 से है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'कई पुरानी मस्जिदें हैं। 14वीं और 16वीं शताब्दी की मस्जिदें है, जिनके पास रजिस्ट्रेशन सेल डीड नहीं होगी। CJI ने केंद्र से पूछा कि ऐसी संपत्तियों को कैसे रजिस्टर करेंगे। उनके पास क्या दस्तावेज होंगे? वक्फ बाई यूजर मान्य किया गया है, अगर आप इसे खत्म करते हैं तो समस्या होगी।

बोर्ड मेंबर्स में गैर-मुस्लिम: सिब्बल ने कहा, 'केवल मुस्लिम ही बोर्ड का हिस्सा हो सकते थे। अब हिंदू भी इसका हिस्सा होंगे। यह अधिकारों का हनन है। आर्टिकल 26 कहता है कि सभी मेंबर्स मुस्लिम होंगे। यहां 22 में से 10 मुस्लिम हैं। अब कानून लागू होने के बाद से बिना वक्फ डीड के कोई वक्फ नहीं बनाया जा सकता है।

CJI जस्टिस खन्ना- इसमें क्या समस्या है? जस्टिस कुमार ने कहा, 'हमें उदाहरण दीजिए। क्या तिरुपति बोर्ड में भी गैर-हिंदू हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है। वक्फ प्रॉपर्टी है या नहीं है, इसका फैसला अदालत को क्यों नहीं करने देते।

मुजफ्फरपुर में बस्ती में आग, जिंदा जले 4 बच्चे

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार को एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चों हो गई है। मृतकों में छोटू पासवान की बेटी अंशिका कुमारी (05), राज पासवान की बेटी ब्यूटी कुमारी (08), सृष्टि कुमारी (06), विपुल कुमार (10) शामिल हैं।

वहीं, 15 से 20 बच्चे आग से बचने के लिए इधर-उधर भाग गए थे। दो घंटे बाद गायब सभी बच्चे अपने घर पहुंच गए।मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन का कहना है कि घटना में 5वें व्यक्ति की मौत अफवाह थी।

बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से हाई टेंशन तार गोलक पासवान के घर पर गिरा, जिसकी वजह से आग लगी। फिर देखते ही देखते पूरे झुग्गी इलाके में फैल गई। इस दौरान कई झुग्गियों में रखे सिलेंडर ब्लास्ट कर गए।

डीएम ने आग लगने से 4 बच्चों की मौत की पुष्टि की है। मौके पर एसडीएम को भेजा गया है। मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और 2 दिनों तक लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई है। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मनी पंचायत की है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि राजू पासवान नामक व्यक्ति के 3 बच्चों की झुलसकर मौत हो गई है। इन बच्चों की उम्र 12 साल, आठ साल और नौ साल है। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई है। अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी है। दर्जनों घर जलकर राख हो गए। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज रही है।

कर्नाटक : मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर सत्ता हथियाने की कोशिश का लगाया आरोप, कहा-

सतर्क रहें और एकजुट रहें

एजेंसी ● नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को गिराकर सत्ता हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से सतर्क रहने और आंतरिक मतभेदों को दूर कर एकजुट रहने को कहा। इससे पहले खरगे ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली 'निरंकुश सरकार' अपने पाप पर पर्दा डालने के लिए उनकी पार्टी को निशाना बनाने पर तुली हुई है।

आंतरिक मतभेद भूल एकजुट रहें

राज्य सरकार के नौकरी मेले को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि भाजपा ने आखिर देश के लिए क्या किया है? सिर्फ ईडी, आयकर और सीबीआई का इस्तेमाल कर डर पैदा करने की कोशिश करती है। जहां-जहां कांग्रेस सत्ता में है, वहां-वहां की सरकारों को गिराकर सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक में भी इसी तरह की कोशिश चल रही है। हमारे लोगों (कांग्रेस) को सतर्क रहना चाहिए। आपके बीच चाहे जो भी आंतरिक मतभेद हों, आपको एकजुट रहना चाहिए।

भाजपा कांग्रेस नेताओं को डराने की कोशिश करती है-खरगे

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो मोदी और शाह मिलकर गरीब जनता को निगल जाएंगे। जनता की रक्षा के लिए आपको सत्ता दी गई है। उनकी रक्षा करना आपके हाथ में है। वे (भाजपा) वहां बैठे हैं, लूट रहे हैं और दरार पैदा कर रहे हैं। भाजपा कांग्रेस नेताओं को डराने की कोशिश करती है, लेकिन हम न डरेंगे, न झुकेंगे। हम हमेशा आपके आशीर्वाद और समर्थन से लड़ेंगे। हम देश को एकजुट रखेंगे, देश का निर्माण करेंगे और भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।

आंबेडकर का अपमान करने का बार-बार आरोप लगाने के लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए खरगे ने पूछा कि क्या आरएसएस और भाजपा उनसे प्रेम करते थे और उनका सम्मान करते थे? नहीं। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस ही है जिसने आंबेडकर को संविधान की मसौदा समिति का अध्यक्ष बनाया और उनके द्वारा दिया गया संविधान आज भी जीवित है। यह आप लोग (भाजपा) हैं, जो आज उस संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

इमामों की बैठक में कहा- बांग्लादेशी घुसपैठिए बुलाकर दंगे करवाए

ममता बनर्जी बोलीं- मुर्शिदाबाद दंगा में भाजपा-BSF की मिलीभगत

एजेंसी ● कोलकाता

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद ममता ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में कहा- मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था। इसमें भाजपा, BSF और सेंट्रल एजेंसीज की मिलीभगत थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में बुलाकर ये दंगे करवाए गए।

बयान

दरअसल, यूपी के सीएम योगी ने मंगलवार को बंगाल हिंसा पर कहा था- बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं। वह दंगाइयों को शांति दूत कह रही हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। दंगाइयों के लिए डंडा ही एकमात्र इलाज है। ममता ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर दंगाइयों को आजादी दे दी है।

ममता ने कहा कि मुझे मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में बांग्लादेश के शामिल होने की खबर मिली है। क्या बॉर्डर की सुरक्षा BSF की भूमिका नहीं है? राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा नहीं करती है। केंद्र सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

उन्होंने PM मोदी से वक्फ कानून को रोकने और अमित शाह के नेतृत्व वाले गृह मंत्रालय को नियंत्रण में रखने की मांग की। ममता ने कहा- मैं प्रधानमंत्री से अमित शाह पर नियंत्रण रखने का अनुरोध करूंगी, वह अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

ममता ने कहा- विपक्ष का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस वक्फ हिंसा में शामिल है। अगर हमारे नेता हिंसा में शामिल होते तो उनके घरों पर हमला नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कुछ मीडिया संस्थानों को पैसे देकर

बंगाल को बदनाम करने के लिए अन्य राज्यों में हुई हिंसा के वीडियो प्रसारित करवा रही है।

ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद हिंसा में मारे गए लोगों को 10-10 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव को BSF की भूमिका की जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

दावा- मुर्शिदाबाद हिंसा में बांग्लादेशी कट्टरपंथी शामिल बीते दिन मुर्शिदाबाद हिंसा में बांग्लादेशी कनेक्शन सामने आया। न्यूज एजेंसी PTI ने खुफिया रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि बांग्लादेश के दो कट्टरपंथी संगठनों जमात-उल मुजाहिदीन बांग्लादेश (JMB) और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (ABT) ने इसे अंजाम दिया था।

हिंसा में पिता-पुत्र की हत्या मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी बीरभूम और दूसरा बांग्लादेश बॉर्डर से पकड़ा गया है। इनके नाम कालू नदाब और दिलदार नदाब हैं। मुर्शिदाबाद हिंसा में 3 लोगों की मौत हुई, जबकि 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। अब तक 300 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान तैनात हैं।

लोग बोले- शांति चाहिए, BSF हटाई तो दिक्कत होगी मुर्शिदाबाद में हिंसा के 5 दिन बाद हालात सामान्य हो गए हैं। प्रशासन ने कहा- हिंसा वाले शहर धुलियान में स्थिति नियंत्रण में है। लोग अब धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं।

हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीब-उर-रहमान ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा- BSF और CRPF की तैनाती के बाद माहौल शांत है। प्रशासन ने हमसे दुकान खोलने और अनुशासन बनाए रखने को कहा है। कई लोगों ने BSF की स्थायी तैनाती की मांग भी की है।

हिंसा की जांच के लिए NCW ने कमेटी बनाई राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने मुर्शिदाबाद में हुई हालिया हिंसा की जांच के लिए एक जांच कमेटी बनाई है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर खुद हिंसा-प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगी और पीड़ितों से मुलाकात करेंगी। NCW ने यह भी कहा है कि महिलाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी।

देश में बार-बार चुनाव कराने से लोगों में बैमनस्यता तथा झगडे बढते हैं

एक राष्ट्र-एक चुनाव से समय एवं धन की बचत होगी-मंत्री श्री पटेल

संवाददाता ● सतना

स्थानीय टाउन हाल में आयोजित एक राष्ट्र-एक चुनाव से संबंधित जनप्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि लोक कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की गति को अनवरत बनाये रखने एक राष्ट्र-एक चुनाव देश हित में है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव से समय एवं धन की बचत होगी। देश में बार-बार चुनाव कराने से लोगों में बैमनस्यता तथा झगडे बढते हैं। देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में चुनाव महत्वपूर्ण है। देश विकास और विचार के साथ चलता है। देश में बार-बार चुनाव कराया जाना देश हित में नहीं है। भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सभी समाज के व्यक्ति आगे आये। मंत्री श्री पटेल ने देश की आजादी के बाद हुए पहले चुनाव से लेकर अब तक चुनावों के बीच निर्वाचन में हुए सुधार एवं कमियों को दूर करने में किये गये कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सांसद श्री गणेश सिंह ने कहा कि भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बडा लोकतंत्र है। देश में करीब 140 करोड जनसंख्या है। एक राष्ट्र-एक चुनाव में सभी अपनी सहमति दे जिससे फिजुल खर्ची कम होगी और देश के विकास में गति आयेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि पंचायती चुनावों में 4 प्रकार से मतदान किया जाता है। इसी प्रकार एक राष्ट्र-एक चुनाव में भी मतदान किया जा सकता है। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, संयोजक डॉ. कृष्ण द्विवेदी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आभार प्रदर्शन नगर निगम अध्यक्ष लालन चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंकज सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा भारत माता एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का साफा पहनाकर एवं अजगर माला से स्वागत किया गया। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी, ऊषा चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, मनसुख पटेल, संयोजक श्री चन्द्र द्विवेदी सहित बडी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित थे।

00000

शॉट न्यूज

गोकुल गार्डन पर 1 लाख का जुर्माना

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा ने शहर की स्वच्छता को धूमिल करने व कचरा-गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई के निर्देश दे रखे हैं। इसी क्रम में झोन 13 अंतर्गत गोकुल गार्डन पर 1 लाख का स्पॉट फाइन किया गया। झोनल अधिकारी अंकेश बिरथरिया ने बताया कि झोन 13 के वार्ड 74 में शिकायत प्राप्त हुई थी कि इस क्षेत्र में मिक्स कचरा फेंका जा रहा है। जांच करने पर पाया गया कि मथुरा महल के सामने गोकुल गार्डन द्वारा मिक्स कचरे को यहां-वहां फेंका जा रहा है। इस पर निगम की टीम ने अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशन में गोकुल गार्डन के प्रबंधक मनोज चौहान पर 1 लाख का स्पॉट फाइन किया।

वन विभाग की टीम ने शिकारियों से बचाई मासूम तेंदुए की जान

इंदौर। वन विभाग की टीम ने मासूम तेंदुए की जान बचा ली। रालामंडल अभयारण्य एसडीओ योहान कटारा ने बताया कि खरगोन डीएफओ ने कसरावद रेंज के जंगल में मादा तेंदुए के रेस्क्यू ऑपरेशन की मदद मांगी थी। खबर मिलते ही टीम रात को ही रवाना होकर अलसुबह 5 बजे राजस्व ग्राम मथलाई पहुंच गई। मौके पर देखा कि शिकारियों द्वारा लगाए गए ट्रैप में एक तेंदुआ फंदे में फंसा हुआ था। टीम ने तत्काल उसके पैरों को ट्रैप से निकालकर रेस्क्यू किया। यदि वन विभाग को तेंदुए की खबर नहीं लगती तो फंदे में फंसा तेंदुआ शिकारियों के हाथ लग जाता। मादा तेंदुए की उम्र 5 साल से ज्यादा है। उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वह घायल नहीं है। इसलिए उसे इंदौर न लाकर पुनासा के जंगलों में छोड़ने की योजना है। बता दें कि इस साल में इंदौर वन विभाग की रेस्क्यू टीम 1 जनवरी से अब तक सिर्फ तेंदुओं के ही लगभग 8 रेस्क्यू ऑपरेशन कर चुकी है।

फैक्ट्री गेट पर गिरा मजदूर, मौत

इंदौर। बाणगंगा इलाके की एक फैक्ट्री में मजदूर की मौत हो गई। परिवार ने इस मामले में लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने फैक्ट्री से सीसीटीवी जब्त किए। जिसमें फैक्ट्री गेट पर मजदूर खुद गिरता हुआ नजर आ रहा है। पुलिस ने परिवार को फुटेज दिखाने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। एडिशनल डीसीपी राम स्नेही मिश्रा के मुताबिक सांवेर रोड इलाके की एक फैक्ट्री में काम करने वाले कैलाश पुत्र लच्छू लोधी की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। कर्मचारी कैलाश के परिवार ने फैक्ट्री के लोगों पर लापरवाही का आरोप लगाया। इस पर मंगलवार को पुलिस टीम जांच के लिए फैक्ट्री पहुंची। सीसीटीवी में कैलाश खुद गेट के यहां पर गिरते हुए दिखा है। हार्ट अटैक के चलते कैलाश की मौत होने की आशंका है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। कैलाश इंदौर में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता है। परिवार में एक भाई और है, जो मारूति नगर इलाके में रहता है।

तनाएरा ने लॉन्च किया 'समर सॉन्गस', प्रकृति के स्वर और रंगों से प्रेरित हवादार कलेक्शन

खूबसूरत साड़ियों, कुर्तों, कुर्ता सेट, शिक टॉप एवं फ्लोई ड्रैसेज़ के साथ अपनी गर्मियों की वार्डरोब को दें नया लुक

एजेंसी ● मुंबई

दिन लम्बे हो रहे हैं और हवाओं में गर्मी बढ़ती जा रही है, इस बीच तनाएरा लेकर आए हैं 'समर सॉन्गस' एक कलेक्शन जो सूरज की रोशनी से जगमाते दिनों, हल्की हवाओं और प्रकृति के भव्य स्वर का सार है। इस कलेक्शन को उन महिलाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है जो भव्यता के साथ-साथ आराम का अनुभव भी पाना चाहती हैं। यह कलेक्शन हवादार कॉटन, मुलायम सिल्क, सिल्क कॉटन एवं हवादार ऑर्गेन्ज़ा एवं कोटा का बेहतरीन संयोजन है जो भारत के बेहतरीन परिधानों की कलात्मकता के साथ बुना गया है। गर्मियों से प्रेरित यह कलेक्शन मौसम के बदलते रंगों को सम्मान देता है। सूरज की सुनहरी रोशनी से भीगे पत्तों से लेकर समुंद्र की सतह के नीचे मौजूद कोरल गार्डन्स तक, इस कलेक्शन का पीस अपने आप में विविध होने के बावजूद भी मौसम के रंगों को दर्शाता है। कोमल पेस्टल, हरे-भरे रंग और जीवंत कोरल्स के साथ बेहतरीन प्रिंट एवं हैण्ड पेंट बुनाई की परम्पराओं को समृद्ध बनाते हैं और आपकी वार्डरोब को रोज़ाना के परिधानों से असाधारण परिधानों में बदल देते हैं।

कलेक्शन

इस कलेक्शन में ब्रीदेबल फैब्रिक से बने रैडी-टू-वियर परिधान और साड़ियां शामिल हैं, जिन्हें भव्यता एवं आधुनिकता के संयोजन के रूप में डिज़ाइन किया गया है। साड़ियों की बात करें तो इसमें राजस्थान के सांगानेरी ब्लॉक प्रिंट, बंगाल के मलमल और जामदानी बुनाई से सजी प्योर कॉटन की साड़ियां शामिल हैं जो रोज़मर्रा के लिए बेहतरीन हैं। कोटा साड़ियों की भव्यता, हाथ से पेंट की गई मुर्शिदाबाद सिल्क, सिल्क कॉटन एवं ऑर्गेन्ज़ा की लक्ज़री, प्रिंट, कढ़ाई एवं हैण्ड पेंट के साथ हर मौके पर आपके खूबसूरती में चार चांद लगा देंगी, फिर चाहे आप इन्हें दिन के समय पहनना चाहती हैं या शाम की पार्टी में। साथ ही इसमें रैडी-टू-वियर कलेक्शन भी शामिल है जिसे आधुनिक महिलाओं की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। कढ़ाई और प्रिंट से सजे कॉटन के कुर्ते, स्टाइलिश कॉटन शॉर्ट टॉप, ट्युनिक एवं फ्लोई प्रिंटेड ड्रेसेज़ वर्कवियर या कैज़ुअल आउटिंग के लिए परफेक्ट हैं।

इस लॉन्च पर बात करते हुए मिस अनिंदिता सरदार, हैड ऑफ डिज़ाइन, तनाएरा ने कहा, ''गर्मियों का मौसम सहजता, तरलता और जीवंत ऊर्जा का मौसम हैं। हम अपने समर सॉन्गस कलेक्शन के साथ ऐसे परिधान और साड़ियां लेकर आए हैं जो इसी सार की अभिव्यक्ति करते हैं। ब्रीदेबल फैब्रिक से बना यह कलेक्शन तय करता है कि आप गर्मी में भी सहज महसूस करें और ये परिधान गर्मियों में आपका साथी बन जाएं। इस तरह के कलेक्शन के साथ तनाएरा ने एथनिक वियर के बेहतरीन गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत बना लिया है।'रु 1490 की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध यह कलेक्शन काम के लिए, रोज़मर्रा के लिए और यहां तक कि सप्ताहान्त के लिए भी बेहतरीन है। इसका हर परिधान और हर साड़ी को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह सहजता के साथ सौंदर्य का शानदार संयोजन है।

लेडी डॉक्टर बोली-डॉक्टर पति ने प्रेग्नेंसी में घर से निकाला

इंदौर। एक महिला डॉक्टर ने अपने पति और उसके दोस्त के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और तीन महीने के बेटे को जबरन छीनने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक हीरानगर थाना क्षेत्र स्थित अभिनंदन नगर में रहने वाले डॉक्टर दंपती के बीच शादी के बाद से ही विवाद चल रहा है। हीरानगर पुलिस ने शिकायत पर पति डॉ. रवि समन निवासी अवधपुरी कॉलोनी, भोपाल के खिलाफ धारा 85, 115 (2), 296, 351 के तहत केस दर्ज किया है। मामले में रवि का दोस्त सौरभ भी आरोपी है, जो कार (MP09-DT-9202) से लेडी डॉक्टर के घर पहुंचा था। 30 वर्षीय पीड़िता ने शिकायत में बताया कि उसकी शादी 28 नवंबर 2023 को डॉ. रवि समन से हुई थी। शादी के बाद वह करीब ढाई महीने तक जबलपुर स्थित ससुराल में रही। इसके बाद पति के साथ भोपाल में रहने लगी। जनवरी 2024 में दहेज की मांग को लेकर पति रवि ने उसके साथ मारपीट की और कहा कि अगर कहीं और शादी की होती तो दहेज में 3 करोड़ रुपए मिलते। मार्च में दोनों जबलपुर लौटे। इस दौरान वह सात महीने की गर्भवती थी। इसके बाद भी पति ने मारपीट की और घर से निकाल दिया। जबलपुर के संजीवनी नगर थाने में 4 नवंबर 2024 को शिकायत की गई थी। इस पर समझौता कराकर पति के साथ महिला डॉक्टर को वापस भेजा गया। इसके बाद फिर मारपीट हुई। 5 नवंबर को इंदौर लौटने के 10 दिन बाद पीड़ित ने महिला थाने में शिकायत की, जहां मार्च 2025 में समझौते के बाद रवि उसे भोपाल ले गया। 11 अप्रैल को भोपाल स्थित अलार्क रेसिडेंसी में पति रवि ने खुद के कपड़े फाड़े और तीन महीने के बेटे को गोद में लेकर आत्महत्या की धमकी दी।

3 महीने के बेटे को छीनने आया, मां को पीटा; इंदौर में दर्ज कराया केस

नवलखा अग्रवाल संगठन की मेजबानी में आनंद नगर में महामंडलेश्वर के आशीर्वचन

जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिपूर्ण औषधि है रामकथा : उत्तम स्वामी

संवाददाता ● इंदौर

जिस घर और परिवार में कलह है, मान लें कि वहां कलियुग आ गया है, लेकिन जिस घर में भक्ति और भगवान की चर्चा होती है, वहां धर्म का वास माना जाता है। राम चरित्र को पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। अमेरिका जैसे देश में भी बच्चों को स्कूली किताबों में राम का चरित्र इसलिए पढ़ाया जा रहा है कि एक आदर्श और सदगुणों से श्रृंगारित व्यक्तित्व से बच्चे शिक्षा और प्रेरणा ले सकें।

प्रेरणा

राम चरित्र का श्रवण करना किसी संजीवनी औषधि जैसा है, जिसके सेवन से आपकी बीमारी निश्चित रूप से दूर हो जाएगी। जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राम कथा को परिपूर्ण औषधि कहा गया है। परमात्मा को पवित्र भाव से ही प्राप्त किया जा सकता है, कोई पापी उन तक नहीं पहुंच सकता।

प्रख्यात मानस मनीषी महामंडलेश्वर प.पू. उत्तम स्वामी महाराज ने बुधवार को अग्रवाल संगठन नवलखा की मेजबानी में आनंद नगर खेल परिसर मैदान पर चल रहे रामकथा महोत्सव के दौरान उक्त प्रेरक विचार व्यक्त किए। कथा शुभारंभ पर राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय आदि ने राजीव बांकड़ा, सुनील बड़गोंदा, राकेश अग्रवाल, सुनील बंसल, राजेन्द्र समाधान, सुरेश रामपीपल्या, बालमुकुंद अग्रवाल, मनोज योगी, अरुण बागड़ी, आशीष अग्रवाल, पूनम गुप्ता, सुरभि अग्रवाल, निकेश मंगल के साथ व्यासपीठ का पूजन किया।

यजमान समूह के दुर्गेश गर्ग, रामप्रकाश गुप्ता, प्रमुख संयोजक संदीप गोयल आटो, पार्षद मृदुल अग्रवाल एवं महिला मंडल की ओर से पिंकी गोयल, ज्योति अग्रवाल, कल्पना अग्रवाल, सुरभि गर्ग, संध्या मित्तल, मोना अग्रवाल, विभा अग्रवाल, डॉ. पिंकी गर्ग, एकता गर्ग एवं अनिता गुप्ता ने विद्वान वक्ता की अगवानी की। संत समाज की ओर से संत रामानंद और संत मंगलनाथ भी कथा शामिल हुए। संयोजक संदीप गोयल आटो ने बताया कि कथा श्रवण के लिए प्रतिदिन नवलखा, पालदा, चितावद, प्रकाश नगर, साजन नगर, आनंद नगर एवं आसपास की 50 कालोनियों के श्रद्धालु आ रहे हैं। कथा का यह प्रवाह 21 अप्रैल तक प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक जारी रहेगा। महामंडलेश्वर प.पू. उत्तम स्वामी ने कहा कि राम के चरित्र से सीखना होगा कि एक आदर्श परिवार को कैसे चलाया और बढ़ाया जा सकता है।

भारतीय रेल के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अनूठे डाक टिकटों की खास प्रदर्शनी

संवाददाता ● भोपाल

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभात के मार्गदर्शन में भारतीय रेल के स्थापना दिवस के अवसर पर अनूठे डाक टिकटों की एक खास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में डाक टिकट संग्रहकर्ता श्री अरविन्द मलिक द्वारा सन् 1853 से अभी तक के भारतीय रेल से संबंधित डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई गई। यह आयोजन मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) श्री एस डी पाटीदार के निर्देशन एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) श्री अजय कुमार दीक्षित के संरक्षण में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मुख्यालय) द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में भारतीय रेल द्वारा अर्जित विशेष उपलब्धियों के अवसर पर जारी डाक टिकटों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। इनमें पहली यात्री रेल, विद्युत कर्षण के 75 गौरवपूर्ण वर्ष, भारतीय रेल के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जारी डाक टिकट प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अवलोकन किया। कार्यक्रम में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) श्री संजय कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) श्री अभय कुमार गुप्ता एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

प्रदर्शनी

ब्रैंड शुरूआत से ही सुरक्षित, आरामदायक और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा में सबसे आगे रहा है

न्यूगो ने अपनी सभी इलेक्ट्रिक बसों को ADAS से लैस करके उद्योग में नया मानदंड स्थापित किया

एजेंसी ● न्यूगो

ग्रीनसेल मोबिलिटी के भारत के सबसे बड़े इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस ब्रैंड, ने अपनी सभी इलेक्ट्रिक बसों को एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेन्स सिस्टम्स (ADAS) से लैस करके उद्योग में एक नया मानदंड स्थापित किया है। 2022 में इसके लॉन्च के बाद, न्यूगो ने अपनी सभी बसों में पहले दिन से ही ADAS लगाया था और भारत में अभी उसकी 275 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। यह दूरदर्शी पहल न्यूगो को सरकार के भारी वाणिज्यिक वाहनों में ADAS अनिवार्य करने के प्रस्ताव से काफी आगे रखती है। यह दिखाता है कि न्यूगो अपने यात्रियों की सुरक्षा और वैश्विक स्तर की बेहतरीन गतिशीलता प्रथाओं के प्रति कितना सक्रिय और प्रतिबद्ध है। ग्रीनसेल मोबिलिटी के एमडी और सीईओ देवेन्द्र चावला ने कहा, "न्यूगो के लिए यात्रियों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हम उन पहली कंपनियों में से हैं, जिन्होंने अपनी सभी बसों में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) लगाया है और इंटरसिटी यात्रा के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। हमारा दृढ़ संकल्प है कि हमारी यात्रा आरामदायक, पर्यावरण के अनुकूल और सबसे ज्यादा सुरक्षित हो।"

लॉन्च

एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेन्स सिस्टम्स (ADAS) सबसे आधुनिक टेक्नोलॉजीज हैं, जो वाहन और यात्री की सुरक्षा को बढ़ाती हैं। सेंसर्स, कैमरा और रडार का इस्तेमाल कर ADAS लगातार सड़क की स्थितियों पर नजर रखता है और ड्राइवरों की सहायता के लिये इसमें कोलिजन वार्निंग्स, लेन डिपार्चर अलर्ट तथा ऑटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसे फीचर्स हैं। इंटरसिटी बसों में ADAS दुर्घटनाओं को रोकने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, ताकि यात्रा आसान रहे। यह सभी यात्रियों को यात्रा का सुरक्षित अनुभव देता है।

यह कदम न्यूगो की यात्रियों की सुरक्षा, नवाचार और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा के लिए इसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इसके साथ ही न्यूगो भारत की पहली इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस सेवाओं में से एक बन गई है, जिसने ADAS तकनीक को अपनाया है। इसमें ऑटोमेटेड इमरजेंसी ब्रेकिंग (एईबी), इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी) और ड्राइवर की थकान पहचानने वाली ड्राइवर ड्रॉउजीनेस डिटेक्शन तकनीक शामिल हैं।

सुरक्षित यात्रा के लिए राह बना रहा है न्यूगो

- न्यूगो ने एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेन्स सिस्टम्स (ADAS) को जोड़ने के अलावा यात्रियों का ध्यान रखने वाली कई पहलें की हैं, ताकि इंटरसिटी यात्रा ज्यादा सुरक्षित और समावेशी रहे।
- **ड्राइवर ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट है जरूरी:** सुरक्षित ड्राइविंग तय करने के लिये हर यात्रा से पहले ड्राइवरों की अल्कोहल टेस्टिंग अनिवार्य है।
- **आरक्षित ''पिंक'' सीटें:** महिलाओं के लिये बैठने की उचित व्यवस्था, ताकि महिला यात्री अन्य महिलाओं के पास ही बैठें और उन्हें असहजता न हो।
- **रियल-टाइम जीपीएस ट्रैकिंग:** बेहतर पारदर्शिता और यात्रियों को आश्वस्त रखने के लिये बसों की असल समय में निगरानी।
- **एआई से पावर्ड ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम:** परिचालन में सुरक्षा बढ़ाने के लिये ड्राइवर के व्यवहार का वास्तविक समय में मूल्यांकन।
- सुरक्षा एवं सेवा के लिये कठोर प्रशिक्षण: NueGo के सभी कर्मचारी गहन प्रशिक्षण से गुजरते हैं, ताकि यात्रियों की देखभाल के उच्चतम मानकों पर खरे उतर सकें।
- **24/7 डेडिकेटेड वूमंस हेल्पलाइन:** महिला यात्रियों के लिये एक टोल-फ्री हेल्पलाइन (1800 267 3366) चौबीसों घंटे उपलब्ध है।
- **हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी सर्विलांस:** सभी बसों की लगातार निगरानी ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।
- **साफ-सुथरे और हाइजीनिक मिड-पॉइंट स्टॉप:** रास्तों पर नियमित रूप से मेंटेन होने वाले स्टॉप, ताकि यात्रियों को यात्रा के दौरान आरामदायक ब्रेक मिल सके।
- **24x7 कमांड कंट्रोल सेंटर:** एक सेंट्रलाइज्ड सिस्टम, जो हर यात्रा पर वास्तविक समय में नजर रखता है। इससे सुरक्षा के उपाय पहले ही सुनिश्चित हो जाते हैं और प्रतिक्रिया तुरंत दी जा सकती है।

सर्वे में सामने आया आकलन, नगर निगम जल्द ही जारी करेगा टेंडर

बीआरटीएस कॉरिडोर तोड़ने का खर्च 34.70 लाख और कमाई 3.71 करोड़

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम द्वारा बीआरटीएस के कॉरिडोर का पूरा सर्वे कर लिया गया है। इस सर्वे में यह स्पष्ट हो गया है कि इसे तोड़ने में कितनी राशि खर्च करना पड़ेगी और तोड़ने के बाद मलबा और अन्य माल बेचने से कितनी राशि मिलेगी। निगम द्वारा कराए गए सर्वे का निष्कर्ष यह है कि बीआरटीएस के कॉरिडोर से निगम को 3.37 करोड़ की कमाई होगी।

निष्कर्ष

राज्य सरकार द्वारा बीआरटीएस कॉरिडोर को तोड़ने का फैसला लिया गया। फिर इस पर हाईकोर्ट की मुहर लगी। उसके बाद से इस बात का इंतजार किया जा रहा है कि नगर निगम द्वारा इस कॉरिडोर को तोड़ने का काम कब शुरू किया जाएगा। नगर निगम जनकार्य विभाग के प्रभारी महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठौर ने बताया कि निगम द्वारा कराए गए आकलन के अनुसार बीआरटीएस के कॉरिडोर को तोड़ने में कम से कम 2 महीने का वक्त लगेगा। अब निगम जल्द ही इस कॉरिडोर को तोड़ने के टेंडर जारी कर रहा है। इस टेंडर में भाग लेने वाले ठेकेदार को यह ऑफर देना होगा कि वह इस कार्य को करने के एवज में नगर निगम को कितनी राशि देगा। जिस ठेकेदार द्वारा तोड़ा जाएगा, उसी को सारा मलबा और मटेरियल भी मिल जाएगा तथा उसे निगम को यहां बताना होगा कि वह तोड़ने का खुद का खर्चा निकालने के बाद नगर निगम को कितना पैसा देगा। निगम द्वारा कराए गए आकलन के अनुसार कम से कम 3.37 करोड़ प्राप्त होंगे। इससे ज्यादा राशि जो ठेकेदार देगा, उसमें से अधिकतम राशि का ऑफर देने वाले को ठेका दिया जाएगा। इस काम को करने से पहले निगम को पूरे कॉरिडोर का सर्वे करना था। यह सर्वे का कार्य अब पूरा हो गया है। इसके अनुसार बीआरटीएस के कॉरिडोर को तोड़ने में निगम को 34.70 लाख रुपए खर्च करना पड़ेगा। इससे निकलने वाला मलबा, स्टील और अन्य सामानों को बेचने से निगम को 3.71 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। इस सामान को बेचने से प्राप्त होने वाली राशि में से यदि तोड़ने में खर्च होने वाली राशि को घटा दिया जाए तो इस कार्य से निगम को 3.37 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा होगा।

इस तरह से होगी कमाई

निगम द्वारा कराए गए आकलन के अनुसार इस कॉरिडोर में से कुल 1.53 लाख किलो स्टील निकलेगा। यह 30 रुपए प्रतिकिलो के भाव से 46 लाख में बिकेगा। इसके अलावा बीआरटीएस में से 10 हजार मीटर लंबाई की रैलिंग निकलेगी। इसके अतिरिक्त 90 फीसदी ए श्रेणी का स्क्रैप मटेरियल निकलेगा, जो 45 रुपए प्रतिकिलो के भाव से बेचा जा सकेगा। इससे निगम को 2.31 करोड़ की कमाई होगी। बस शेल्टर होम के एक्स्ट्रा आइटम से निगम को 90 लाख की कमाई होगी। इस तरह इस पूरे कॉरिडोर को तोड़ने से निगम को 3.71 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे।

शॉर्ट न्यूज

पत्नी ने की सुसाइड, पति फंसा झगड़े-मारपीट से थी परेशान

इंदौर। खुड़ैल पुलिस ने एक महिला की मौत के मामले में उसके पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। पुलिस ने महिला की मौत के बाद मायके पक्ष के लोगों के बयान लिए थे। इसमें पति द्वारा आए दिन झगड़ा और मारपीट करने की बात सामने आई थी। इससे डिप्रेशन में आकर महिला ने सुसाइड कर लिया था। प्रियंका मंडलोई के सुसाइड में पुलिस ने उसके पति भूपेन्द्र मंडलोई, निवासी मूसाखेड़ी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। प्रियंका ने 25 मार्च 2025 को जहर खा लिया था। उसे उपचार के लिए बालाजी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई थी। दोनों की शादी 2005 में हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। पुलिस ने उसकी मौत के बाद मां माया, पिता सुदामा, बड़े पिता जगदीश, भाई धमेंद्र व अन्य लोगो सहित बेटे के बयान लिए थे। परिजन ने अपने बयान में बताया कि बेटी प्रियंका ने बताया था कि भूपेन्द्र आए दिन विवाद करता था।

पिता-पुत्र ने पहले बेसबॉल बैट से पीटा, फिर चाकू से किए वार

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र स्थित मेघदूत नगर में मंगलवार रात एक निजी कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में घायल मैनेजर की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब आरोपी का बेटा मोहल्ले में मैनेजर के बेटे के साथ झूमाझटकी कर रहा था। जब असिस्टेंट मैनेजर अमित कुमार सोनी ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की, तो आरोपी और उसका पिता उल्टा उन पर ही टूट पड़े। घटना रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। अमित कुमार सोनी जब घर लौटे तो उन्होंने देखा कि आरोपी का बेटा उनके बेटे के साथ मारपीट कर रहा है। उन्होंने तुरंत उसे रोका और उसके पिता अमित कुशवाह को बाहर बुलाकर समझाया।

खुड़ैल : युवक की हत्या करने वाले 7 नाबालिगों सहित 9 को पकड़ा

इंदौर। खुड़ैल में पिकनिक मनाने गए युवक सलमान खान की बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में दोस्त छोटा सलमान और विष्णु भी घायल हो गए थे। इस मामले में पुलिस को एक ग्रामीण के घर से सीसीटीवी फुटेज मिले। फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें 7 नाबालिग है। जानकारी के अनुसार खुड़ैल के सनावदिया में गाड़ी टकराने की बात पर नायता मुंडला में रहने वाले सलमान खान, छोटा सलमान और विष्णु को चाकू मारने वाले सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है। आरोपी चंदन नगर और एरोड्रम इलाके के रहने वाले हैं। बाइक टकराने की बात पर आरोपियों ने चाकू मारे थे। जिसमें सलमान की मौत हो गई थी। सलमान निजी कंपनी में काम करता था। उसके पिता व परिवार अजनोद में रहता है। वह अपने दो भाइयों के साथ इंदौर में रहता था।

पांच करोड़ की जमीन का कब्जा निगम को सौंपा

संवाददाता ● इंदौर

साकेत से रिंग रोड तक जाने वाली सड़क के निर्माण में पूर्व पार्षद सुशीलारानी मित्तल ने जनहित में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपने टेलीफोन नगर स्थित भूखंड में से 5 करोड़ रुपए की करीब 12 मीटर क्षेत्रफल भूमि का कब्जा नगर निगम को सौंप दिया। उनके इस निर्णय से साकेत से रिंग रोड जाने वाली सड़क की 25 वर्षों से न्यायालय में अटकी बाधाएं अब दूर हो गई है। इस मार्ग की भूमि के लिए नगर निगम के आयुक्त शिवम वर्मा सहित अनेक अधिकारियों ने सुशीलारानी मित्तल व उनके परिजनों से बातचीत कर इस विवाद का पटाक्षेप किया। अब साकेत से रिंग रोड जाने वाली सड़क के निर्माण में कोई बाधा नहीं रह गई है। सुशीलारानी मित्तल ने नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, निगम के वरिष्ठ अभिभाषक मनोज मुंशी, झोन अधिकारी लोधी, रोड इंचार्ज शैलेन्द्र मिश्रा एवं वरिष्ठ अभिभाषक विशाल बाहेती की भूमिका से प्रेरित होकर बिना किसी प्रतिफल के नगर निगम को जमीन सौंप दी। इस मौके पर बुधवार शाम विधायक महेन्द्र हार्डिया, लायन डॉ. कुलभूषण मित्तल कुक्की, पार्षद मुद्रा शास्त्री, राजेश उदावत, पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश अग्रवाल, अरविंद उपाध्याय, नितेश जैन, अजय गांधी, चेतन मुकाती, दुष्यंत मुकाती सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित थे। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के संयुक्त संचालक डॉ. शुभाशीष बैनर्जी ने आश्वस्त किया कि बची हुई शेष भूमि का मानचित्र स्वीकृत कर दिया जाएगा। निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने भी सुशीलारानी मित्तल के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि अन्य भूमि स्वामी भी शहर के विकास में इसी तरह अपना सहयोग प्रदान करें। सुशीलारानी मित्तल ने इस अवसर पर भूमि का कब्जा सड़क निर्माण के लिए नगर निगम को सौंप दिया। विधायक हार्डिया ने सुशीलारानी मित्तल व उनके पुत्र कुलभूषण मित्तल को इस प्रशंसनीय निर्णय के लिए बधाई दी।

कब्जा

बारिश के पहले 25 लाख पौधों के लिए जमीन तलाशना बड़ी चुनौती

इंदौर। वन विभाग पिछले कई दिनों से लगभग 25 लाख पौधे लगाने के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश कर रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जल संसाधन मंत्री द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर वन विभाग को 25 लाख पेड़-पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधारोपण की योजना बनाई गई है, जिसके लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान की जा रही है। मंत्री तुलसी सिलावट के निर्देश के बाद वन विभाग ने महू, मानपुर, चोरल सहित इंदौर फॉरेस्ट रेंज में पौधे लगाने के लिए स्थानों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। डीएफओ प्रदीप मिश्रा के अनुसार, कई स्थानों की पहचान कर ली गई है, जहां पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। हालांकि वन विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि 25 लाख नए पौधे लगाने के लिए जमीन तलाशना आसान नहीं है, क्योंकि पिछले वर्ष ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के आदेश पर 51 लाख पौधारोपण अभियान चलाया गया था, जिसमें विभाग ने लगभग 25 लाख पौधे पहले ही लगा दिए थे। इसके अलावा, वन विभाग हर साल वर्षा ऋतु से पहले लगभग 5 लाख पौधे स्वयं भी लगाता है। इस वर्ष भी बारिश से पहले गड्ढे खोदने की तैयारियाँ जोरों पर हैं। ऐसे में इस बार पौधों की संख्या और जिम्मेदारी दोनों ही अधिक हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अब पूरा वन अमला इंदौर की चारों फॉरेस्ट रेंजों में पौधारोपण के लिए जगह तलाशने में व्यस्त है। यह अभियान विभाग के लिए एक बड़ी प्रशासनिक और ज़मीनी चुनौती बन चुका है। पिछले वर्ष के अभियान के बाद इस साल भी इंदौर वन विभाग के सामने करीब 30 लाख पेड़-पौधे लगाने और उनका संरक्षण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है।

महू, मानपुर, चोरल और इंदौर रेंज में चिन्हित हो रहीं जगहें

तिलक नगर में विकास कार्यों और मास्टर प्लान की सड़क का निरीक्षण

महापौर बोले- गुणवत्ता में कोई कमी न हो

संवाददाता ● इंदौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को तिलक नगर क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं मास्टर प्लान के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल तिलक नगर से गोयल नगर स्थित पानी टंकी तक बनने वाली 370 मीटर लंबी व 18 मीटर चौड़ी मास्टर प्लान की सड़क के कार्य का अवलोकन किया। लगभग 2.27 करोड़ की लागत से बनाई जा रही इस सड़क का कार्य प्रगति पर है। महापौर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न हो और इसे तय समयसीमा में पूर्ण किया जाए। यह मास्टर प्लान के अंतर्गत आने वाले प्रमुख मार्गों में से एक है। अतः इसकी गुणवत्ता एवं मजबूती को विशेष प्राथमिकता दी जाए। महापौर ने क्षेत्रीय नागरिकों से चर्चा करते हुए कहा कि नगर निगम जनसुविधाओं के उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत है और नागरिकों की सहभागिता से शहर का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अन्य निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र हार्डिया, महापौर परिषद सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद राजेश उदावत, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर सहित निगम के अन्य अधिकारी व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

निरीक्षण

वार्ड 48 का भी निरीक्षण - महापौर ने वार्ड 48 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद विजयलक्ष्मी गोहर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं निगम के अधिकारी उपस्थित थे। महापौर ने गीता भवन चौराहा से सेंटपॉल स्कूल तक की सड़क एवं ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद बड़ी गवालटोली रोड का भी निरीक्षण किया, जहाँ स्टॉर्म वाटर लाइन की व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में महापौर सेवा सरदार नगर स्थित योगा शेड पहुँचे, जहाँ उन्होंने योगाभ्यास के लिए नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधार को लेकर दिशा-निर्देश दिए। महापौर ने सेंटपॉल स्कूल चौराहा पर प्रस्तावित चौड़ीकरण कार्य की जानकारी लेकर अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सस्ते फ्लैट तो दे दिए लेकिन पानी को तरसा दिया

इंदौर। निगम ने कई गरीब परिवारों को सस्ते दामों पर फ्लैट दिए। सड़क के लिए उनके घर उजाड़े तो भी उन्हें बदले में शहर के अलग-अलग स्थानों पर फ्लैट दिए, लेकिन वहां मूलभूत सुविधाएं नहीं दी। अहीरखेड़ी में बसाए गए परिवार जलसंकट झेल रहे है। यहां तीन सौ से ज्यादा परिवारों के लिए फ्लैट बनाए गए है, लेकिन पानी के लिए मल्टियों में टंकियां नहीं रखी। जो बोरिंग कराए हैं, उनमें भी पानी काफी कम आ रहा है। इस कारण यहां रहने वाले परिवारों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि नगर निगम अफसरों को पानी के टैंकरों के लिए कई बार फोन लगाना पड़ते है। टैंकर आते भी है तो पहले पानी भरने के चक्कर में परिवार आपस में लड़ने लगते हैं। लोगों ने पानी के लिए कोठियां ले रखी हैं।

बिजली दोगुना महंगी

अपने यहां ले रहे 8 रुपए, दूसरे राज्यों से वसूल रहे 4.31 रुपए!

संवाददाता ● इंदौर

बहुत कोशिश करने के बाद भी बिजली कंपनी ये साबित करने में पीछे रह जाती है कि वो अपने उपभोक्ताओं के प्रति अच्छी सोच रखती है और उनकी सुविधा के लिए कुछ नेक काम करती हैं। अब खुलासा हुआ है कि मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी दूसरे राज्यों को आधे दाम पर बिजली बेंच रही है, लेकिन मप्र के बिजली उपभोक्ताओं से उसी बिजली के दोगुने दाम वसूले जा रहे हैं। कंपनी के इस घाटे के सौदे पर ढेरों सवाल खड़े किए जा चुके हैं, लेकिन कंपनी और सरकार कान बंद किए हुए हैं। मप्र वर्तमान में गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे उन प्रदेशों को बिजली बेच रहा है। कंपनी ने उच्चदाब के उपभोक्ताओं पर थोड़ा रहमदिली दिखाई है। इन्हें बिजली बिल पर रियायत दी जा रही है, लेकिन निम्नदाब के उपभोक्ताओं को किसी तरह की राहत नहीं दी जा रही है। नए टैरिफ के बाद एक आम उपभोक्ता को प्रति यूनिट आठ रुपये में बिजली दी जा रही है, लेकिन दूसरे राज्यों को यही बिजली 4 रुपये 31 पैसे प्रति यूनिट में दी जा रही है। विद्युत नियामक आयोग के सामने कंपनी ने 4 रुपये 55 पैसे प्रति यूनिट की दर से दूसरे राज्यों को बिजली बेंचने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन आयोग ने 4 रुपये 31 पैसे की ही अनुमति दी।

खुलासा

ऐसा है नए टैरिफ का गणित - नए टैरिफ में 151 से 300 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं से प्रति यूनिट 6.61 रुपए लिए जाते थे। अब इसे 18 पैसे प्रति यूनिट बढ़ाया गया है। नए टैरिफ में घरेलू उपभोक्ताओं से प्रति यूनिट 6.79 रुपए की वसूली की जाएगी। सरप्लस बिजली बेचने के रेट कम रखे गए हैं। यदि उपभोक्ताओं को ही कम दरों में बिजली दी जाती तो उन्हें फायदा होता और कंपनी को भी नुकसान नहीं होता। कंपनी जिस घाटे का रोना रो रही है, वो उसे नहीं रोना पड़ता।

जवाब मांगने पर बहानेबाजी

दूसरे राज्यों को आधे दाम में बिजली बेंचने पर कंपनियों से कमीशन लेने के आरोपों का सामना करने वाले अधिकारी अपने बचाव में कहते हैं कि मप्र में उद्योगों का विकास तेजी से न होने के कारण सरप्लस बिजली की बिक्री उनकी मजबूरी है। कम दामों के सवाल पर अधिकारी ने कहा कि चूंकि इस बाजार में कॉम्प्टीशन अत्यधिक होने के कारण उन्हें दाम इतने कम रखने पड़ते हैं। हालांकि बिजली के जानकारों का एक बड़ा वर्ग है, जो दावा करता है कि ये पूरा खेल कमीशनबाजी पर टिका हुआ है और पूरे देश में बिजली बेचने का गिरोह सक्रिय है, जो निजी कंपनियों और बिजली कंपनियों के बीच डील कराता है। इसके एवज में अफसरों को मोटी रकमें प्राप्त होती हैं। दावा ये भी है कि ये कमीशनखोरी केवल बिजली अफसरों की जेबों में नहीं जाती, बल्कि इसका वितरण आगे भी किया जाता है।

MPPSC : 6 और 12 पदों की परीक्षाओं का मामला

रिजल्ट कब तक आएंगे..., आयोग को ही नहीं पता!

संवाददाता ● इंदौर

पीएससी के खिलाफ युवा क्यों आक्रोशित होते हैं? इनकी परीक्षाओं से मोह भंग होकर उम्मीदवारों की संख्या में क्यों इतनी कमी हो गई है? इन सवालों का सीधा जवाब है- आयोग की लचर कार्यशैली। हालत यह है कि आयोग को ही नहीं पता कि वह दो-तीन महीने पहले हो चुकी परीक्षाओं के रिजल्ट क्यों रोके हुए हैं? अब इसे क्या कहेंगे? कभी कहा जाता है कि बस अगले सप्ताह रिजल्ट आ रहे हैं और फिर ऐनवक्त पर बताते हैं कि तकनीकी समस्या है। फिर कहा जाता है कुछ कारण हैं, लेकिन बता नहीं सकते। अरे! क्यों नहीं बता सकते भाई? घर की संस्था थोड़े ही है, संवैधानिक संस्था है, लेकिन युवा करें तो क्या करें। आयोग उनकी बात सुनता नहीं है और प्रदर्शन करो तो पुलिस में केस दर्ज करा दिया जाता है। पूरी पुलिस पीछे लग जाती है अपराधी घोषित कर जेल भेजने के लिए।

मामला

इन परीक्षाओं में गिनती के पद

1. हैंडलूम परीक्षा में केवल 6 पद है और मात्र 23 उम्मीदवार। इंटरव्यू 10 मार्च को हो चुके हैं। लेकिन रिजल्ट के इंतजार में 35 दिन से ज्यादा हो चुके हैं। रिजल्ट कब कोई जवाब नहीं, अब कहा गया है कि तकनीकी वजह है, लेकिन जल्द आएंगे, आयोग लगातार लगा हुआ है।
2. राज्य वन सेवा 2024 में केवल 12 पद है, उम्मीदवार केवल 40, इसके इंटरव्यू खत्म हुए महीनाभर हो चुका है, रिजल्ट का पता नहीं।
3. इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 2022 के हिंदी, अंग्रेजी, हिस्ट्री इन सभी के इंटरव्यू हुए लंबा समय हो गया है। हिंदी के 31 जनवरी को तो इतिहास के 21 फरवरी को इटंरव्यू हो चुके हैं, यानी दो से लेकर तीन महीने का समय, लेकिन रिजल्ट का पता नहीं
4. आईटीआई के इंटरव्यू हो चुके हैं, लेकिन इसमें तो कारण साफ है कि हाईकोर्ट में केस है, लेकिन इसमें भी कोई यह बात नहीं रख रहा है कि रिजल्ट जारी करने दिए जाएं।

सचिव ने दिया टका-सा जवाब

जब उम्मीदवारों ने सचिव प्रबल सिपाहा को फोन किए तो उन्होंने टका-सा जवाब दे दिया- जब आएगा, दे दिया जाएगा। रिजल्ट के लिए कोई तय टाइमलाइन नहीं होती है। सवाल उठता है कि क्यों नहीं होती है जनाब, इसका भी तो जवाब दीजिए।

यूएस में थ्योरी क्लास से पहले भारत में प्रैक्टिकल क्लास नया बिजनेस है!

मुंबई के जिस इलाके में मैं रहता हूं, वहां एक महिला ऐसे युवा विद्यार्थियों के लिए कुकिंग क्लास चलाती हैं, जो इस साल पढ़ाई के लिए अमेरिका जा रहे हैं। उसका बुलावा बहुत साधारण है। अमेरिकी सरकार द्वारा लागू टैरिफ के बाद अमेरिका में खाद्य कीमतें एक नई ऊंचाई को छूने जा रही हैं। और अब वहां कॉलेज फीस के अलावा रहने-खाने के लिए भी ज्यादा पैसे की दरकार होगी। अगर आप भी अपने खर्च में कटौती चाहते हैं, तो महज 15 दिन की क्लास में सादा और सेहतमंद खाना बनाना सीख लें। क्लास के नोटिस बोर्ड पर कई अखबारों की कटिंग्स लगी हैं।

एक खबर में बताया गया है कि अमेरिका पश्चिमी गोलार्ध का सबसे बड़ा चावल आयातक देश है। 2016/17 में अमेरिका ने लगभग 787 हजार मीट्रिक टन चावल आयात किया था, जो 2023/24 में बढ़कर लगभग 1.5 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है। एक अन्य खबर में बताया है कि अमेरिका लगभग 1.5 लाख टन काजू का उपभोग करता है, जिसमें वियतनाम से आने वाला हिस्सा 1.3 लाख टन है। यह वियतनाम से आने वाले काजू पर टैरिफ उजागर करता है और बताता है कि भारत की हिस्सेदारी 7,000-8,000 टन है। एक और रोचक जानकारी उन्होंने पोस्ट की है, तकरीबन 62 विदेशी निर्यातक 119 अमेरिकी खरीदारों को बिरयानी मसाला सप्लाई कर रहे हैं, जो कि बाद में रिटेल मार्केट में बेच देते हैं।

पिछले साल की तुलना में 29% की वृद्धि के साथ बिरयानी मसाले के कुल 549 शिपमेंट्स आयात हुए हैं। इस तरह की पहल का नतीजा ये हुआ है कि उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका या किसी अन्य देश जाने वाले सैकड़ों स्टूडेंट्स अब उनके यहां आकर कुकिंग सीख रहे हैं। गर्मियों में साधारण सूप से लेकर वीकेंड पर बिरयानी तक... क्लास में स्टूडेंट्स को वह सब बनाना सिखाया जा रहा है, जिससे इन युवा बच्चों के माता-पिता के सैकड़ों डॉलर बच सकते हैं। ऐसे छात्र जो समझते हैं कि खाने-पीने की चीजों की कीमत भारत की तुलना में 10 गुना अधिक है (जब इसे डॉलर से रुपए में बदलें), वे अपनी इच्छा से इस क्लास में शामिल हो रहे हैं और घर पर भी अपनी मां की देखरेख में इसकी प्रैक्टिस कर रहे हैं। यह सिर्फ एक क्लास नहीं है, बल्कि मुंबई के हर उपनगर में विभिन्न समुदायों को ध्यान में रखकर ऐसी क्लासेस चल रही हैं। अमेरिका में अकादमिक सत्र शुरू होने के तीन महीने पहले से ये क्लासेस शुरू हो जाती हैं।

पिछले साल की तुलना में 29% की वृद्धि के साथ बिरयानी मसाले के कुल 549 शिपमेंट्स आयात हुए हैं। इस तरह की पहल का नतीजा ये हुआ है कि उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका या किसी अन्य देश जाने वाले सैकड़ों स्टूडेंट्स अब उनके यहां आकर कुकिंग सीख रहे हैं। गर्मियों में साधारण सूप से लेकर वीकेंड पर बिरयानी तक... क्लास में स्टूडेंट्स को वह सब बनाना सिखाया जा रहा है, जिससे इन युवा बच्चों के माता-पिता के सैकड़ों डॉलर बच सकते हैं।

लेकिन इस साल ट्रंप के टैरिफ मुद्दे के बाद से इनकी संख्या दोगुनी हो गई है। अपने कॉलेज या काम के लिए बाहर गए भारतीय छात्र आमतौर पर अपना पसंदीदा भोजन पाने में जद्दोजहद करते हैं। ऐसे में ये क्लासेस उन्हें बुनियादी बातें सिखाती हैं, जैसे कि बिना गैस कनेक्शन के इलेक्ट्रिक कुकर या स्टोव, इलेक्ट्रिक हॉब्स और ओवन पर भारतीय खाना कैसे बनाएं। इसके अलावा, ये क्लासेस छात्रों की पसंद और उनकी आखिरी लर्निंग के आधार पर उन्हें मसालों की एक विशेष सूची देती हैं, ये सूची उन मसालों की तस्वीर के साथ, उनकी मातृभाषा और अंग्रेजी में होती है। इससे उन्हें यहां से सामान पैकिंग में मदद मिलती है और इस कागज की मदद से अमेरिका के पटेल स्टोर्स (पूरे अमेरिका में सबसे लोकप्रिय स्टोर्स) में खरीदारी करने में भी आसानी होती है। इन क्लासेस में सिर्फ पांच मुख्य सामग्रियों के साथ, बहुत सारे खाने बनाने के तरीके बताए हैं, ताकि वे कहीं भी हों, घर के खाने का वही स्वाद बरकरार कर सकें।चूंकि खाना बनाना सिर्फ जीवित रहने की कला भर नहीं है, बल्कि यह उन्हें अपनी जड़ों से जुड़े रहने में भी मदद करती है और इस बहाने बच्चे रोज अपने माता-पिता को वीडियो कॉल कर लेते हैं। इससे अप्रत्यक्ष रूप से उनके माता-पिता को भी शांति मिलती है, क्योंकि मां हमेशा चिंतित रहती है कि बच्चे वहां क्या खा रहे हैं। फंडा यह है कि अगर आपके आसपास स्टूडेंट्स की ऐसी आबादी है, जो कि भारत के मेट्रो शहरों में या अन्य देशों में जा रही है, तो उन्हें कुकिंग जैसे सर्वाइविंग स्किल की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी गृहिणियों के लिए नया बिजनेस आइडिया है। इस बारे में सोचें।

संत वचन

इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा। फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा।

एनडीए के गठबंधन सहयोगी बदले हुए सुर में बोल रहे हैं

एडिट.नोट

लग रहा है कि एनडीए की गैर-भाजपा पार्टियां अब पूरी तरह भाजपामय हो चुकी हैं। यद्यपि यह प्रक्रिया पहले से चल रही थी, लेकिन वक्फ पर संसद में हुई बहस ने इसे प्रमाणित कर दिया है। अगर एनडीए का कोई पार्टनर किसी मुद्दे पर सरकार का विरोध करने से बचना चाहता है तो उसके सामने अपनी आपत्तियों को कायम रखते हुए नपे-तुले अंदाज में किंतु-परंतु के साथ समर्थन करने का विकल्प रहता है। लेकिन सत्तारूढ़ गठजोड़ के पार्टनर ऐसा नहीं कर रहे हैं। जब अटल-आडवाणी ने एनडीए बनाया था, उस समय ऐसा नहीं था। उस दौर में कई गैर-भाजपा नेताओं ने इस गठजोड़ के सबसे बड़े दल के हिंदुत्ववादी रुझानों पर संयम लगाने की भूमिका निभाई थी। इसके लिए वे सत्ता छोड़ने और गठजोड़ से अलग हटने तक की हद तक चले गए थे। हमें याद है कि गोधरा कांड के बाद गुजरात में हुई साम्प्रदायिक हिंसा के विरुद्ध रामविलास पासवान ने दिल्ली में मंत्रिपद से इस्तीफा दे दिया था। 2013 में मोदी जैसे ही पीएम पद के उम्मीदवार बने, नीतीश कुमार ने एनडीए छोड़ दिया था। उन्हीं रामविलास के उत्तराधिकारी चिराग पासवान वक्फ पर अपने मुसलमान जनाधार की किसी भी मांग को उठाने के बजाय बिना शर्त समर्थन देते नजर आए।

उन्हीं नीतीश के प्रतिनिधि ललन सिंह संसद में किसी भाजपा सांसद की तरह बोलते हुए सुने गए। किसी तरह का संकोच या गैर-साम्प्रदायिक राजनीति करने वाले नेताओं द्वारा अपनाया जाने वाला वाणी का संयम उनके वक्तव्य से गैर-हाजिर था। दरअसल, एनडीए के भीतर की राजनीति पहले जैसी नहीं रह गई है। वक्फ बिल पर बनी जेपीसी की कार्यवाही पर नजर डालने से यह स्पष्ट हो जाता है। पिछले साल अगस्त में जैसे ही यह विधेयक सदन के पटल पर रखा गया, वैसे ही तेलुगु देशम के एक सांसद ने खड़े हो कर इसे जेपीसी के हवाले करने का सुझाव दे दिया।

संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू के पास एक पर्ची आई, जिसे देखकर उन्होंने पूरी तत्परता से इस मांग को मान लिया। जेपीसी में एनडीए सदस्य बहुमत में थे, और विपक्ष के अल्पमत में। इस संरचना का लाभ उठाते हुए समिति की कार्यवाही एक खास तरह की डिजाइन के तहत चलाई गई। गैर-भाजपा विपक्ष ने बिल में संशोधन के कुल 45 सुझाव दिए, जिन्हें फौरन खारिज कर दिया गया। एनडीए के गैर-भाजपा सदस्यों ने 14 सुझाव दिए, जिन्हें फटाफट स्वीकार लिया गया। इस तरह इस समिति के गठन द्वारा सत्तारूढ़ गठजोड़ के गैर-भाजपा सदस्यों के लिए बिल का समर्थन करने की दलीलें मोटे तौर पर तैयार हो गईं।अगर इन 14 सुझावों पर देखा जाए तो साफ हो जाता है कि इनमें से एक भी ऐसा नहीं है जो आलोचकों द्वारा विधेयक पर की जाने वाली छह-सात प्रमुख आपत्तियों को किसी तरह से सम्बोधित करता हो। जेपीसी द्वारा आजमाई गई यह युक्ति शक पैदा करती है कि जदयू, टीडीपी, लोजपा और रालोद शुरू से ही इस प्रश्न पर स्वतंत्र रूप से सोचने के बजाय भाजपा के साथ मिलकर इस रणनीति पर काम कर रहे थे। मुसलमान वोटों को खोने का डर भी उन्हें नहीं रोक पाया। इसका मतलब यह नहीं है कि नीतीश, नायडू, चिराग, जयंत को मुसलमान वोटों की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन जब इन नेताओं ने तराजू के एक पलड़े पर इन वोटों, और दूसरे पर केंद्र सरकार में भागीदारी के मौजूदा बंदोबस्त को रखा तो उन्हें लगा होगा कि अगर थोड़े-बहुत वोट कम भी होते हैं तो काम चलाया जा सकता है। 90 के दशक में जब एनडीए बना था, तो स्थिति अलग तरह की थी। वह एनडीए कांग्रेस द्वारा थोपी जाने वाली केंद्रीकरणवादी नीतियों और क्षेत्रीय शक्तियों को कोने में धकेलने के आग्रह के खिलाफ एकजुट हुआ था। तब भाजपा अपने विचारधारात्मक मुद्दों को ताक पर रखने के लिए भी तैयार हो गई थी।

राजकुमार जैन - लेखक

सतर्क रहें, आज एआई के नाम पर कुछ भी बेचा जा रहा है!

एआई की सुविधाओं के साथ ही एआई वॉशिंग की समस्याओं ने भी जन्म लिया है। यह वो प्रक्रिया है, जिसमें व्यावसायिक संस्थाएं अपने उत्पादों अथवा सेवाओं को एआई से संचालित बताकर उपभोक्ताओं और निवेशकों को भ्रमित करती हैं, जबकि वास्तविकता में उनकी तकनीक इस दावे से कोसों दूर होती है। एआई वॉशिंग, ग्रीन वॉशिंग की तर्ज पर एक नया छल है। ग्रीन वॉशिंग में पर्यावरणीय चेतना के नाम पर झूठे और भ्रामक दावे किए जाते हैं। एआई वॉशिंग में कोई साधारण सॉफ्टवेयर- जो मात्र नियम-आधारित तर्क पर कार्य करता हो- उसे एआई-जनरेटेड कहकर प्रचारित किया जाता है।इसका उद्देश्य है उपभोक्ताओं की तकनीकी जिज्ञासा और निवेशकों की आर्थिक आकांक्षा को भुनाना। बाजार में किसी उत्पाद या सेवा की क्षमताओं को ह्यएआईह्ल के नाम पर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है, ताकि यह वास्तव में जितना है उससे अधिक परिष्कृत, अभिनव या बुद्धिमान लगे और बड़े मुनाफे से साथ आसानी से बेचा जा सके।

वर्तमान में वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का व्यापक दखल और असर स्पष्ट दिखाई पड़ता है। विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां एआई-पॉवर्ड उत्पादों और सेवाओं का अतिरंजित प्रचार कर रही हैं। एआई के उपयोग से मानव जीवन को बेहतर बनाने के लुभावने वादे किए जा रहे हैं। लेकिन ये दावे पूरी तरह से सच्चे नहीं होते हैं। इस प्रवृत्ति का उद्भव हाल के दशक में तीव्र हुआ है। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन (2023) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 60 फीसदी से अधिक स्टार्टअप्स- जो अपने उत्पादों को एआई-संचालित बताते हैं- वास्तव में मशीन लर्निंग या डीप लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग नहीं करते। भारत में भी यह चलन बढ़ता जा रहा है, जहां तकनीकी स्टार्टअप्स की संख्या 2024 तक 1,00,000 से अधिक हो चुकी थी (नासकॉम रिपोर्ट, 2024), और इनमें से एक बड़ा हिस्सा अपने प्रचार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शब्द का प्रयोग करता है।

अतीत ने हमें सिखाया है कि नई तकनीक के आगमन के साथ फरेबी और मौकापरस्त भी आते हैं। एआई वॉशिंग का इस्तेमाल कंपनियां अपने उत्पादों में इस्तेमाल की जाने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की मात्रा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के लिए करती हैं। शीतलपेय कंपनियां भी एआई के नाम पर भारी लाभ कमाने के आकर्षण से बच नहीं पाई हैं।

स्वास्थ्य से जुड़ी अपनी बिगड़ती छवि निखारने के लिए उनमें से एक कंपनी ने एक नया पेय पेश किया है और उनका दावा है कि इसे एआई का उपयोग करके बनाया गया है। जबकि हम जानते हैं कि एआई स्वाद का निर्माण या पहचान नहीं कर सकता। मार्च 2024 में अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने दो निवेश फर्मों- डेल्फिया एडवाइजर्स और ग्लोबल प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स पर जुमार्ना लगाया था, क्योंकि इन्होंने अपने निवेश मॉडल को एआई-संचालित बताकर ग्राहकों को गुमराह किया। जांच में पाया गया कि इनका सॉफ्टवेयर पारंपरिक डेटा विश्लेषण पर आधारित था, न कि मशीन लर्निंग पर। भारत में भी कई फिनटेक कंपनियां अपने ऋण-वितरण मॉडल को एआई-आधारित बताती हैं, जबकि वे केवल बुनियादी एल्गोरिदम का उपयोग करती हैं। 2022 में एक प्रसिद्ध भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी ने अपने चैटबॉट को एआई-संचालित सहायक के रूप में प्रचारित किया, किंतु यूजर्स ने पाया कि यह केवल पूर्व-लिखित स्क्रिप्ट्स का पालन करता है। ट्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने आप में एक व्यापक शब्द है और एक आम आदमी के लिए इसकी परिभाषा अस्पष्ट और लचीली होती है। यही अस्पष्टता एआई वॉशिंग को बढ़ावा दे रही है। इसकी तुलना डॉट-कॉम बबल से की जा सकती है, जब व्यवसाय अपने मूल्यांकन को बढ़ाने के लिए व्यवसाय के नाम के अंत में ₹डॉट-कॉम' शब्द जोड़ते थे। भारत में अभी तक एआई शब्द के प्रयोग पर कोई स्पष्ट दिशानिर्देश नहीं हैं। सरकार को विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) के साथ मिलकर ऐसे नियम बनाना चाहिए, जो कंपनियों को जवाबदेह ठहराएं।

बिजनेस

एसईबीआई ने डायरेक्टर पद से हटाया

जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटर्स ने की 262 करोड़ रुपए की हेराफेरी

मुंबई। रएइक के एक्शन के बाद इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने और लीज पर देने वाली कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड का शेयर बुधवार को 5% गिरावट के साथ 122.68 रुपए पर आ गया। कंपनी का शेयर इस साल अब तक 85% से ज्यादा गिर चुका है।

जेनसोल के शेयर प्राइस में हेरा-फेरी और फंड डायवर्जन की शिकायतों के बाद सेबी ने जून 2024 में जांच शुरू की। जांच में सेबी ने पाया कि कंपनी के प्रमोटर्स ने पर्सनल यूज के लिए फंड का डायवर्जन किया। इसके बाद सेबी ने दोनों भाइयों को डायरेक्टर पोस्ट से हटा दिया। शेयर बाजार में कारोबार करने पर भी रोक लगा दी। रएइकने अपने ऑर्डर में कहा जेनसोल में कॉर्पोरेट गवर्नेंस पूरी तरह फेल हो गया। प्रमोटर्स ने इस लिस्टेड कंपनी को अपनी प्रॉपर्टी समझ लिया था। कंपनी का पैसा रिलेटेड पार्टीज में घुमाकर निजी जरूरतों पर उड़ाया गया। इसका नुकसान निवेशकों को उठाना पड़ेगा।

जेनसोल का शेयर 2025 में अब तक 85% से ज्यादा गिर चुका है। पिछले 5 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयर में 16.54% की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले 1 महीने में शेयर 48.17% टूट चुका है। जेनसोल इंजीनियरिंग का मार्क`ट कैपिटल 471 करोड़ रुपए है।कंपनी ने इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) जैसी संस्थाओं से 977.75 करोड़ रुपए का टर्म लोन लिया। इसमें से 664 करोड़ रुपए से 6,400 इलेक्ट्रिक व्हीकल (एश) खरीदना था, जिन्हें ब्लूस्मार्ट को लीज पर देना था।

कंपनी को अपनी तरफ से भी 20% मार्जिन (166 करोड़ रुपए) लगाना था। इस तरह, कुल 830 करोड़ रुपए एश खरीदने में खर्च होने थे। हालांकि, फरवरी 2025 तक 567.73 करोड़ मूल्य के केवल 4,704 व्हीकल ही खरीदे गए। 262.13 करोड़ का हिसाब नहीं हो पाया। सेबी ने जांच में पाया कि जब भी ईवी खरीदने के लिए जेनसोल से गो-ऑटो में फंड ट्रांसफर किया गया, तो अधिकांश मामलों में या तो ये फंड कंपनी को वापस ट्रांसफर कर दिया गया या उन संस्थाओं को भेज दिया गया जो डायरेक्टली या इनडायरेक्टली जेनसोल के प्रमोटरों अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी से जुड़ी थी।सेबी ने अनमोल सिंह के बैंक स्टेटमेंट का भी एनालिसिस किया। इसमें पाया गया कि अधिकांश फंड अन्य संबंधित पक्षों, परिवार के सदस्यों को ट्रांसफर कर गया या व्यक्तिगत खर्चों के लिए इस्तेमाल किया। इसमें लक्जरी फ्लैट खरीदना, ट्रेडिंग, गोल्फ सेट खरीदना शामिल है। जेनसोल ने फंड की हेराफेरी को छिपाने के लिए सेबी, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों (सीआरए) और लेंडर्स के पास फॉल्स ह्यकंडक्ट लेटर्सह्व जमा किए। इसमें चूक को छिपाने के लिए अपने कर्ज से जुड़े सर्विस ट्रैक रिकॉर्ड को गलत तरीके से पेश किया गया।

राज-काज

दिन के निचले स्तर से 500 अंक संभला सेंसेक्स

मुंबई। 16 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट के बाद तेजी रही। सेंसेक्स 309 अंक चढ़कर 77,044 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसमें 500 अंक की रिकवरी हुई। निफ्टी में भी 109 अंक की तेजी रही, ये 23,437 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसमें 164 अंक की रिकवरी आई। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में तेजी रही। इंडसइंड बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा 6.78%, एक्सिस बैंक में 3.95% और अडाणी पोर्ट्स में 1.81% की तेजी रही। मारुति, इंफोसिस और टाटा मोटर्स में 1.50% तक की गिरावट रही। निफ्टी के 50 में से 33 शेयरों में तेजी रही। ठरए के सेक्टोरल इंडाइसेज में सरकारी बैंकों के का इंडेक्स 2.37%, मीडिया का 1.88%, प्राइवेट बैंक का 1.74%, ऑयल एंड गैस का 1.33% और फाइनेंशियल सर्विसेज 0.91% चढ़कर बंद हुए।

एक्सटर्नल रिपोर्ट के बाद इंडसइंड बैंक का शेयर 7% चढ़ा डेरिवेटिव पोर्टफोलियो का नुकसान अनुमान से कम

मुंबई। इंडसइंड बैंक के शेयरों में आज यानी, 16 अप्रैल को 6.74% की तेजी रही। ये 49.60 रुपए चढ़कर 785.50 रुपए पर बंद हुआ। शेयरों में ये तेजी बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग डिस्क्रिपेन्सी से जुड़ी एक्सटर्नल एजेंसी की रिपोर्ट के बाद आई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि बैंक को 30 जून 2024 तक 1,979 करोड़ रुपए नुकसान हुआ है, जो अनुमान से कम है। बैंक ने बताया कि उसे यह रिपोर्ट 15 अप्रैल को मिली है। बैंक ने ये भी कहा कि वह इस प्रभाव को वित्त वर्ष 2024-25 की वित्तीय रिपोर्ट में दर्शाएगा।

10 मार्च, 2025 को इंडसइंड बैंक ने अपने फॉरेक्स डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अनियमितताओं के बारे में स्टॉक एक्सचेंजों को बताया था। फ्इक की नई गाइडलाइन के बाद इंटरनल रिव्यू के दौरान इसका पता चला था। बैंक ने माना था कि इस गड़बड़ी से उसकी नेटवर्थ 1,600-2,000 करोड़ रुपए (2.35%) कम हो सकती है। डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में नुकसान की समीक्षा के लिए एक्सटर्नल एजेंसी ढ६उ को नियुक्त किया। अप्रैल 2025 में, ढ६उ के ऑडिट ने भी गड़बड़ी की पुष्टि की। ढ६उ ने बताया कि बैंक को इस गड़बड़ी से 30 जून 2024 तक 1,979 करोड़ रुपए (2.27%) नुकसान हुआ है। फॉरेक्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स कॉन्ट्रैक्ट्स एक कॉम्प्लेक्स फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट हैं जिनका उपयोग करेंसी रिस्क को हेज करने के लिए किया जाता है। ये लेन-देन, 5-7 साल पहले बैंक द्वारा अपने खाते के लिए किए गए थे और इनमें क्लाइंट ट्रेड शामिल नहीं थे।

मुख्य समस्या डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के गलत अकाउंटिंग ट्रीटमेंट से जुड़ी है। डेरिवेटिव का मूल्यांकन बाजार की स्थितियों के आधार पर किया जाता है, और उनके मूल्यांकन या रिकॉर्डिंग में एरर से ऐसा हुआ है। बैंक के इंटरनल सिस्टम्स इन लेन-देन का सही हिसाब रखने में विफल रहें, जिसके कारण 1,979 करोड़ का शॉर्टफॉल आया। 10 मार्च के खुलासे के बाद, इंडसइंड बैंक के शेयरों में एक ही दिन में 27% की गिरावट आई, जो 52-हफ्ते के निचले स्तर 656 पर पहुंच गया। अगले कुछ दिनों में, शेयर में कुल गिरावट बढ़कर 35% हो गई। इससे बैंक का मार्केट कैप लगभग 20,000 करोड़ घट गया। 15 मार्च, 2025 को, फ्इक ने डिपॉजिटर्स की चिंताओं पर कहा- इंडसइंड बैंक की वित्तीय स्थिति स्थिर बनी हुई है।

सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड, पहली बार 94 हजार रुपए पारः इस साल 18,417 महंगा हुआ

नई दिल्ली। सोने के दाम ने आज यानी 16 अप्रैल को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्हखअ) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,477 बढ़कर 94,579 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 93,102 थी। एक किलो चांदी की कीमत आज 373 बढ़कर 96,575 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,030 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 11 अप्रैल को सोने ने 93,353 का हाई बनाया था।अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है।

डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। इस साल रुपए में लगभग 4% की गिरावट आई है, जिससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। शादियों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में सोने के गहनों की मांग बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में ज्वेलर्स ने बताया कि ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी है, क्योंकि लोग सोने को निवेश और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं। 4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,320 रुपए है। मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,180 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 88,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 96,170 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,170 रुपए है। भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,220 रुपए है।इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 18,417 रुपए बढ़कर 94,579 रुपए पर पहुंच गया है।

राष्ट्रीय बजरंग दल के समर्थकों ने जम्मू में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 17 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

मेडिकल कॉलेज, सतना से संबंद्ध नए अस्पतालों के निर्माण के लिए 383 करोड़ 22 लाख रूपये की राशि जारी

मप्र में चलेगा कृषक कल्याण मिशन : डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के किसानों के समन्वित विकास के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में प्रचलित योजनाओं को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश किसान कल्याण मिशन को प्रारंभ करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गयी।

योजनाओं

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृषि उत्पादकता (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) वर्ष 2002-2003 में 1195 था जो वर्ष 2024 में 2393 हो गया। यह वृद्धि 200 प्रतिशत हो गयी है। फसल उत्पादन (लाख मीट्रिक टन) वर्ष 2002-2003 में 224 एवं वर्ष 2024 में 723 होकर 323 प्रतिशत हो गयी है। कृषि विकास दर (प्रतिशत में) 2002-2003 में 3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.8 प्रतिशत हो गयी। 327 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि क्षेत्र का बजट (करोड़ रूपये) वर्ष 2002-2003 में 600 करोड़ एवं वर्ष 2024 में 27050 करोड़ होकर वृद्धि दर 4508 प्रतिशत हुई। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र का योगदान प्रदेश की जीडीपी में 39 प्रतिशत है। कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को जलवायु-अनुकूल बनाना, धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाना, जैव विविधता और परम्परागत कृषि ज्ञान संरक्षण, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है।

फसल बीमा का क्षेत्र बढ़ाने की भी कोशिश

फसल बीमा का कवरेज 50 प्रतिशत तक करना, संकर तथा उन्नत बीजों का विस्तार आधे क्षेत्रफल तक करना, प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता सौर ऊर्जा पम्प अनुदान पर उपलब्ध कराये जाना, नये प्र-संस्करण क्षेत्रों की स्थापना, विपणन नेटवर्क का विस्तार और प्रदेश की बाहर की मंडियों तक पहुंच बढ़ाना, मत्स्य बीज के मामलें में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना, कोल्ड चेन और नेटवर्क विकास के जरिये किसानों को मत्स्य संपदा के लिए मिलने वाले मूल्य को डेढ़ गुना करना, उच्च उत्पादकता मछली का पालन 10288 मीट्रिक टन किया जाना, मत्स्य पालन के लिए 1.47 लाख किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराये जाएंगे। संगठित क्षेत्र में दुग्ध संकलन को 50 लाख लीटर प्रतिदिन किया जायेगा। पशुधन उत्पादकता में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। बेसहारा गौ-वंश की देखभाल के लिए प्रदेशव्यापी नेटवर्क तैयार करना, जिससे सड़कों पर उनकी उपस्थिति शून्य हो सकेगी।

किसानों की आय में वृद्धि

कृषि तथा उद्यानिकी के अंतर्गत फसलों की उत्पादकता में वृद्धि, उच्च मूल्य फसलों की खेती, गुणवत्तापूर्ण आदानों की उपलब्धता - बीज, रोपण सामग्री, उर्वरक, कीटनाशक, और कृषि विस्तार एवं क्षमता विकास, सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की आसान उपलब्धता, खाद्य प्र-संस्करण और कृषि आधारित उद्योग, वैल्यू-चैन विकास और मौजूदा वैल्यू-चैन का सुदृढ़ीकरण, मप्र की विशिष्ट समस्याओं के लिए अनुसंधान एवं विकास है। कृषि तथा उद्यानिकी सस्टेनेबल कृषि पद्धतियां के अंतर्गत गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस (जीएपी) को अपनाना, जैविक/प्राकृतिक खेती क्षेत्र में बढ़ोतरी, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के लिए मार्केट लिंकेज का निर्माण तथा सुदृढ़ीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद हेतु प्रमाण पत्र जारी करने तथा ट्रैसेबिलिटी सिस्टम को विकसित, किसानों की उपज के उचित मूल्य सुनिश्चित करना, मंडियों का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन, मंडी कार्यों के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, मण्डी में पारदर्शी तथा निष्पक्ष नीलामी की प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं मंडी के बाहर उपज बेचने की सुविधा को विकसित करना, जिन फसलों में वायदा अनुबंधों की अनुमति है, उनकी कार्य योजना तैयार करना है। किसानों की आय में वृद्धि के लिए सहकारिता एवं मत्स्य पालन के अंतर्गत सहकारिता के माध्यम से दूध संकलन के कवरेज को 26000 ग्रामों तक ले जाया जायेगा। दूध संकलन व प्र-संस्करण की वर्तमान क्षमता को बढाकर 50 लाख लीटर / दिवस किया जायेगा। पशुओं में स्टॉल फीडिंग एवं मिनरल मिक्चर का घरेलू विकल्प का उपयोग से निराश्रित गौवंश की संख्या में कमी लाना। मत्स्य पालन क्षेत्र में आय वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का प्रयोग - Cage Farming तथा Biofloc, मछुआ/किसान क्रेडिट कार्ड योजनान्तर्गत शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर स्व-रोजगार को बढ़ावा दिया जाएगा।

शॉट न्यूज

बेटे के सामने वृद्ध पिता को बस ने रौंदा

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बस ने वृद्ध व्यक्ति को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना रात करीब 9 बजे ग्राम धनेटा के निवासी दरयाव सिंह लोधी (60 वर्ष) के साथ घटी। जानकारी अनुसार दरयाव सिंह अपने बेटे खिलन सिंह लोधी (40 वर्ष) और साथियों गनपत सिंह, गोपाल सिंह और गोविंद सिंह के साथ लुगन कार्यक्रम में ग्राम पिपरिया जा रहे थे। सभी लोग बस स्टैंड पर खड़े होकर बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बस क्रमांक एमपी 66 पी 0380 का चालक तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक वाहन चला रहा था। उसने दरयाव सिंह को जोरदार टक्कर मारी और रौंदते हुए चला गया। इस हादसे के बाद बस चालक घटनास्थल से फरार हो गया। घायल दरयाव सिंह को उपचार के लिए पाटन अस्पताल ले जाया गया।

सड़क पर सरेआम बदमाशों ने युवक को बेरहमी से पीटा

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम के ताल में एक चलते हुए बाइक सवार युवक को दो नकाबपोश बदमाशों ने धक्का देकर गिरा दिया और उसे उठाकर रोड के साइट में ले जाकर जमकर लाठी-डंडे से पीटने लगे। इस दौरान युवक चीखता-चिल्लाता रहा, बचाओ-बचाओ की आवाज लगाता रहा, लेकिन दोनों बदमाश बेरहमी के साथ डंडे से मारते रहे। दोनों ने 36 से ज्यादा वार युवक के शरीर पर किए, फिर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बताया जा रहा है कि फारूक नाम के युवक को पैसों के लेन-देन की बात को लेकर जाकिर और उसके साथी ने ताल के न्यू बस स्टैंड के पास बाइक से नीचे गिराकर जमकर डंडे से मारपीट की। इससे फारूक के हाथ-पैर, सिर, कमर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं।

नौकरी करने वालों के खिलाफ क्यों नहीं हुई कार्रवाई : हाईकोर्ट

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्कूल शिक्षा विभाग में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले शिक्षाकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई न किए जाने को चुनौती देते हुए जबलपुर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत एवं न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। सतना जिले में अनावेदक रामचरण, श्यामलाल, सुंदरलाल, रामप्यारे और रामप्रकाश अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हैं। पढ़ाई के दौरान उन्होंने ओबीसी वर्ग की छात्रवृत्ति प्राप्त की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग का फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर स्कूल शिक्षा विभाग में नौकरी हासिल कर ली।

चौकीदार अभी जिंदा है, एमपी में शराबबंदी को लेकर उमा भारती ने फिर खोला मोर्चा

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने एक बार फिर शराबबंदी को लेकर मोर्चा खोल दिया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि चौकीदार अभी जिंदा है। हाथ में पत्थर की जरूरत नहीं लगती, गाय के गोबर की चोट ज्यादा भारी पड़ेगी। दरअसल, नई शराब नीति के तहत कई धार्मिक स्थलों पर शराबबंदी हो गई है। दूसरी तरफ कई इलाकों में शराब की दुकानों को लेकर स्थानीय निवासी भी विरोध कर रहे हैं जिसे लेकर उमा भारती ने यह पोस्ट किया है। उमा भारती ने लिखा कि दो साल पहले मध्य प्रदेश में शराबबंदी को लेकर एक व्यापक अभियान चला जिसके परिणामस्वरूप जनवरी 2023 के आरंभ में नई शराब नीति घोषित हुई। उन्होंने लिखा, वह एक व्यापक विचार विमर्श के तहत बनी एक आबकारी नीति थी, जो हमें एक-दो वर्षों में पूर्ण शराबबंदी की ओर ले जा रही थी। मैं दो साल उसी नीति के प्रभावी तरीके से लागू होने की प्रतीक्षा कर रही थी। पिछले डेढ़ साल में नई सरकार से भी इस विषय पर मेरी निरंतर बात हुई। हमारी सरकार हो, हमारा मुख्यमंत्री हो तो कई बार हम आपस की बातचीत को सार्वजनिक नहीं करते।

4 महीने से मन में मची थी हलचल

उमा भारती ने लिखा, कि गुणों की चर्चा सर्वत्र, दोषों को उचित स्थान पर मैं इस नीति पर रही तो सबको लगा होगा कि इस विषय पर तटस्थ हो गई हूं। ऐसा बिल्कुल नहीं है। 4 महीने से मन में हलचल मची हुई है। दुकानों के आवंटन को लेकर सर्वत्र जन विरोध विशेष कर महिलाओं का विरोध हो रहा है। क्या हम शराब वितरण नीति के प्रति लापरवाह हो गए हैं? चौकीदार अभी जिंदा है। हाथ में पत्थर की जरूरत नहीं लगती, गाय के गोबर की चोट ज्यादा भारी पड़ेगी। बता दें कि उमा भारती इससे पहले भी शिवराज सरकार के समय शराबबंदी को लेकर प्रदर्शन कर चुकी हैं और उस दौरान उन्होंने शराब की दुकानों पर पत्थर फेंक और बोतलें तोड़कर विरोध जताया था। हालांकि बाद में नई आबकारी नीति में संशोधन से वो कुछ हद तक तो संतुष्ट दिखीं, लेकिन अब एक बार फिर से उन्होंने सरकार को शराब के विषय पर चेताना शुरु कर दिया है।

गर्मी से राहत पाने तालाब में उतरा बाघ, वीडियो वायरल

संवाददाता ● उमरिया

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली जोन से एक मनमोहक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बाघ गर्मी से राहत पाने के लिए पानी में मस्ती करता नजर आ रहा है। जंगल की तपती गर्मी में यह नज़ारा न सिर्फ देखने वालों को सुकून देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वन्यजीव भी मौसम के प्रभाव से अछूते नहीं रहते। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक ताकतवर और खूबसूरत बाघ शांत तालाब में उतरता है और धीरे-धीरे पानी में लेट जाता है। उसके हाव-भाव में शांति, संतुष्टि और गर्मी से राहत की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। पानी में बैठकर बाघ इधर-उधर देखता है, कभी पंजों से पानी उछालता है, तो कभी शांत भाव से आंखें बंद कर लेट जाता है। यह पूरा दृश्य इतना शांत और प्रभावशाली है कि हर दर्शक की निगाह वहीं ठहर जाती है। यह दृश्य खितौली जोन के एक जलस्रोत का है, जो गर्मियों में वन्यजीवों के लिए जीवनरेखा का काम करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय मध्य भारत के जंगलों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में बाघों सहित अन्य जानवर पानी के स्रोतों की ओर रुख कर रहे हैं। वन विभाग के अधिकारी भी नियमित निगरानी कर रहे हैं ताकि जानवरों को पर्याप्त पानी मिले और उनके प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहें। इस वीडियो ने इंटरनेट पर खासा ध्यान खींचा है। वन्यजीव प्रेमी, पर्यावरणविद और आम लोग इसे खूब साझा कर रहे हैं।

बोर्ड 10 वीं 12 वीं का 85 फीसदी मूल्यांकन कार्य पूरा

20 तक खत्म करने का लक्ष्य, मई में आएगा रिजल्ट

संवाददाता ● भोपाल

एमपी बोर्ड से इस वर्ष 10वीं 12वीं की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों का इंतजार समाप्त होने वाला है। जल्द ही परीक्षा परीणाम घोषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा मूल्यांकन पर पूरा फोकस किया। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि मूल्यांकन अंतिम दौर में है। लगभग 85 फीसदी कांपियों की जांच कर ली गई है। 20 अप्रैल तक कापियों की जांच पूर्ण हो जाएगी। इसके बाद मई के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। गौरतल है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा की थी, तब उन्होंने निर्देश दिए थे कि मई के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट घोषित किया जाए।

निर्देश

नई शिक्षा नीति के अनुसार बोर्ड परीक्षा में फेल होने वाले विद्यार्थियों की जुलाई में दूसरी परीक्षा कराई जानी है। उसकी तैयारी के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त समय मिल सके इसका भी ख्याल रखा जा रहा है। सीएम का निर्देश प्राप्त होने के बाद मंडल अधिकारियों ने मूल्यांकन पर पूरा फोकस किया है। बोर्ड अधिकारियों का कहना है कि बारहवीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 85 फीसदी कंपलीट हो गया है जबकि दसवीं की परीक्षा कापियों की जांच 82 प्रतिशत पूर्ण हो गई है।

संपूर्ण मूल्यांकन में चार-पांच दिन का समय और लगेगा। इसके बाद रिजल्ट तैयार होगा। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि 10वीं-12वीं की परीक्षाओं का रिजल्ट तय समय में घोषित होगा। रिजल्ट जारी करने के बाद अगली परीक्षा की तैयारियां की जाएंगी। जानकारी के मुताबिक जुलाई में होने वाली परीक्षाओं की तैयारियां प्रारंभकर दी गई हैं। इस पर निरंतर काम चल रहा है। जुलाई में जो परीक्षा होने जा रही हैं। शीघ्र ही इसका टाइम टेबल घोषित किया जाएगा। गौरतलब है कि इस सत्र में दोनों ही कक्षाओं को मिलाकर 16,60,252 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया था। इसमें से 12वीं क्लास में 7,06,475 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी।

सिंहस्थ 2028 को लेकर जमीनों का अधिग्रहण शुरू

किसान संगठनों ने जताया विरोध

संवाददाता ● उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में लगने वाले साल 2028 के सिंहस्थ के लिए जमीन अधिग्रहण का काम शुरू कर दिया गया है, लेकिन इसको लेकर किसानों का विरोध भी देखने को मिल रहा है। प्रदेश के बड़वानी जिले में इस विरोध की शुरुआत करते हुए, राष्ट्रीय किसान महासंघ ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। नायब तसीलदार को दिए इस ज्ञापन में इसके साथ ही फसल के भुगतान में हो रही देरी का भी मुद्दा उठाया गया है। बड़वानी जिले में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने मंगलवार को नायब तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम दिया गया था। इस ज्ञापन को लेकर

विरोध

महासंघ के जिला महामंत्री अनिल इस्के ने बताया कि 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक बिल पास करवाया है। इस बिल के तहत सिंहस्थ क्षेत्र के किसानों की आधी जमीन स्थाई रूप से ले ली जाएगी। इसके बाद इस जमीन पर कुंभ नगरी बनाई जाएगी। किसान इस मुफ्त जमीन अधिग्रहण किए जाने का विरोध कर रहे हैं।

मादक पदार्थ के साथ हिमाचल के दो तस्कर पकड़ाए, डोडाचूरा भी बरामद

संवाददाता ● मंदसौर

मध्य प्रदेश के मंदसौर में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हिमाचल प्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 14 क्विंटल 82 किलोग्राम डोडाचूरा तथा तस्करी में प्रयुक्त ट्रक जब्त किया गया है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 90 लाख रुपए बताई गई है। शहर कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि मंगलवार को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक ट्रक अवैध मादक पदार्थ लेकर मंदसौर से गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर प्रतापगढ़ रोड स्थित नाका नंबर 10 पर नाकाबंदी कर दी गई। इस दौरान बिना नंबर प्लेट वाले ट्रक क्रमांक एचपी 17 एफ 7086 को रोका गया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें चाक पावडर के लगभग 300 कट्टों के बीच छिपाकर रखा गया 14 क्विंटल 82 किलो डोडाचूरा बरामद किया गया। पुलिस ने ट्रक के चालक व क्लीनर को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुशील सिंह (42 वर्ष), निवासी कोटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश और ईमरान (28 वर्ष), निवासी जगतपुर थाना माझरा, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने ट्रक सहित जब्त मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच कर रहीं एसआई कांता भाभर ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

कहीं धार्मिक जुलूस पर पथराव तो कहीं पुलिस पर हमला

एमपी में मजाक बनी कानून व्यवस्था

संवाददाता ● भोपाल

बीते तीन दिनों में सांप्रदायिक सद्भाव और माहौल बिगाड़ने की प्रदेश में तीन बड़ी घटनाओं ने यह संकेत दिया है कानून-व्यवस्था पंगु होती जा रही है। पुलिस-प्रशासन घटनाएं होने के बाद सक्रियता दिखा रहा है। सबसे पहले गुना में हनुमान जयंती के जुलूस पर पथराव हुआ। नीमच में शराबियों और उपद्रवियों ने तीन जैन मुनियों को पीटा। भिंड में आंबडेकर जयंती के उपलक्ष्य में निकले गए जुलूस में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद और फायरिंग से एक मौत हो गई। जानकारों का कहना है कि यह घटनाएं कभी भी बड़ा रूप ले सकती हैं, पर पुलिस के बड़े अधिकारी घटना होने के बाद ही सजगता दिखाते रहे हैं।

जुलूस

पूरे देश में छवि हो रही खराब

पुलिस मुख्यालय की खुफिया शाखा ने जून 2023 में शासन को एक रिपोर्ट सौंपकर आगाह किया था कि सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाली घटनाएं बढ़ सकती हैं। रिपोर्ट में वर्ष 2018 से 2023 के बीच हुई सांप्रदायिक घटनाओं का विश्लेषण कर बताया गया था कि सबसे अधिक घटनाएं छेड़छाड़, हत्या और हत्या के प्रयास में हो रही हैं। ताज्जुब तो यह कि इतनी महत्वपूर्ण जानकारी होने के बाद पुलिस और प्रशासन सजग नहीं हुआ। सांप्रदायिक घटनाओं से पूरे देश में प्रदेश की छवि खराब हो रही है। हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार रात गुना में जुलूस निकल रहा था। एक धार्मिक स्थल के पास से निकलने के दौरान जुलूस पर पथराव हो गया, जिससे स्थिति बिगड़ गई। मुरैना जिले के हिंगोना खुर्द गांव में सोमवार को आंबेडकर जयंती पर निकले जुलूस में तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद गोली चली, जिसमें 26 वर्ष के एक युवक की मौत हो गई। नीमच के कछाला गांव के हनुमान मंदिर पर रविवार रात सो रहे तीन जैन मुनियों पर छह असामाजिक तत्वों ने हमला कर बुरी तरह से पीटा। भोपाल व दूसरी जगह भी उपद्रवियों द्वारा निर्दोष लोगों से मारपीट और वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। सात सितंबर 2024 में रतलाम के मोचीपुरा इलाके में गणेश प्रतिमा लेकर जा रहे जुलूस पर कुछ अराजक तत्वों ने पथराव कर दिया था, जिससे तनाव फैल गया।

'इश्क़ जबरिया' शो की गुल्की उर्फ सिद्धि शर्मा ने खुद किए अपने स्टंट्स

बोलीं- ये हर किसी के बस की बात नहीं

टी वी की दुनिया में जहां एक्शन सीन अक्सर स्टंट डबल्स के जरिए शूट किए जाते हैं, वहीं सन नियो के शो 'इश्क़ जबरिया' में गुल्की का किरदार निभा रहीं सिद्धि शर्मा ने यह साबित कर दिया है कि असली ताकत तब होती है जब आप पूरे दिल, जुनून और हिम्मत के साथ हर सीन खुद अपने दम पर शूट करते हैं। हाल ही में सिद्धि ने अपने स्टंट करने के अनुभव को साझा किया। सिद्धि शर्मा ने बताया,'अभी हाल ही में मैंने इश्क़ जबरिया शो के लिए कई स्टंट किए हैं और सबसे खास बात ये है कि सारे स्टंट बिना किसी स्टंट डबल के खुद मैंने किए हैं। मुझे अपने स्टंट खुद करना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इससे मुझे एक अलग ही थ्रिल और आत्म-संतुष्टि मिलती है। पहले जब मैं खतरों के खिलाड़ी जैसे शो देखती थी तो लगता था, 'अरे ये तो आसान है।' लेकिन जब खुद करने की बारी आई, तब समझ में आया कि ये कितना मुश्किल होता है और इसमें कितनी मेहनत लगती है। ऐक्शन सीन करने का मौका अक्सर नहीं मिलता, इसलिए जब भी ऐसा मौका मिलता है, मैं उसे पूरी एनर्जी के साथ करती हूं। हर स्टंट मेरे लिए एक नया चैलेंज होता है और मैं अपनी लिमिट्स को पुश करना पसंद करती हूं ताकि हर सीन असली और दमदार लगे।"

सिद्धि ने यह भी साझा किया कि उन्हें ये ताकत किसी और से नहीं, बल्कि आस्था से मिलती है। "मुझे लगता है कि जो ताकत मुझे स्टंट डबल के बिना ऐसे ऐक्शन सीक्वेंस करने की मिलती है, वो हनुमान जी की कृपा से है। उन्हीं का आशीर्वाद है, जिससे मुझे कॉन्फिडेंस मिलता है और कठिन से कठिन सीन करने की हिम्मत भी मिलती है। कई बार सीन रिस्की होते हैं या बहुत फिजिकली डिमांडिंग, लेकिन फिर भी सब कुछ अच्छे से हो जाता है। सबसे अच्छा तब लगता है जब मुझे स्क्रीन पर एक मजबूत किरदार निभाने का मौका मिलता है और उससे किसी को, खासकर लड़कियों को, इंस्पिरेशन मिलती है कि वो भी निडर और मजबूत बन सकती हैं।" 'इश्क़ जबरिया' शो की कहानी गुल्की की है जो एक जज़्बे से भरी लड़की है, जिसके सपने बड़े हैं और हौसले उससे भी बड़े। इस शो में सिद्धि शर्मा, काम्या पंजाबी, दीपशिखा नागपाल और लक्ष्य खुराना जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं जो इस कहानी को दिल से जीते हैं। इस शो के बारे में अधिक जानकारी के लिए देखें हर रात 10:00 बजे, सिर्फ सन नियो पर।

उर्वशी रौतेला ने तमन्ना भाटिया के गाने की बुराई!

तमन्ना भाटिया फिल्म रेड 2 के गाने नशा में नजर आई हैं। ये गाना हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे फैंस की जमकर तारीफें मिल रही हैं। इसी बीच उर्वशी रौतेला ने नशा गाने की तुलना अपने हालिया रिलीज गाने सॉरी बोल से की, हालांकि उन्होंने एक पोस्ट में तमन्ना के गाने को अपने गाने से कमतर बताया है। उर्वशी रौतेला ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में यूट्यूब का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया था। तस्वीर में वैसे तो हर कोई उर्वशी के जाट फिल्म के गाने सॉरी बोल की तारीफ कर रहा था, हालांकि इसी बीच एक फैन ने लिखा, ये गाना नशा गाने से बेहतर है। उर्वशी ने फैन का कमेंट ऑफिशियल अकाउंट पर शेयर कर अपनी तारीफ के बीच दबे शब्दों में तमन्ना भाटिया के गाने नशा की आलोचना कर दी। हालांकि कुछ समय बाद ही गलती का एहसास होने पर उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक उनकी पोस्ट के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके थे। उर्वशी रौतेला ने हाल ही में अपनी फिल्म डाकू महाराज और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर की तुलना कर एक्ट्रेस की बेइज्जती की थी। उन्होंने वरिंदर चावला के पेज को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि उनके पास कई मैसेज आ रहे हैं, जिनमें लोग कह रहे हैं कि उर्वशी की फिल्म हिट है और कियारा की फिल्म डिजास्टर निकली है। उर्वशी ने कहा था कि अगर उनकी फिल्म की वजह से कियारा की फिल्म फ्लॉप हुई है तो इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। हालांकि इस बयान के चलते उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। फिल्म जाट की बात करें तो ये 10 अप्रैल को रिलीज हुई है। फिल्म में सनी देओल, रणदीप हुड्डा, सयामी खैर अहम किरदारों में हैं। उर्वशी रौतेला इस फिल्म के गाने में स्पेशल अपीयरेंस में नजर आई हैं।

'गुड बैड अग्ली' बनी 2025 की दूसरी बड़ी तमिल फिल्म

अजित कुमार की फिल्म 'गुड बैड अग्ली' दर्शकों का दिल जीत रही है। 10 अप्रैल को पर्दे पर आई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना जादू चला दिया है। 'गुड बैड अग्ली' हर रोज करोड़ों का बिजनेस कर रही है और एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म की पांच दिनों की कमाई के साथ ही अजित कुमार ने अपनी फिल्म 'विदामुर्याची' को शिकस्त दे दी है। सैकनिल्क के मुताबिक 'गुड बैड अग्ली' ने बॉक्स ऑफिस पर 29।25 करोड़ रुपए की धांसू ओपनिंग की थी। दूसरे दिन फिल्म ने 15 करोड़ और तीसरे दिन 19।75 करोड़ रुपए कमाए थे। चौथे दिन फिल्म को संडे का फायदा मिला और इसने 22 करोड़ रुपए छापे। अब 'गुड बैड अग्ली' के पांचवें दिन का शुरुआती कलेक्शन सामने आ गया है जिसके बाद फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 'गुड बैड अग्ली' ने पांचवें दिन बॉक्स ऑफिस पर अब तक (रात 11 बजे तक) 15 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का टोटल कलेक्शन 101।30 करोड़ रुपए हो गया है। इस शानदार कलेक्शन के साथ अब 'गुड बैड अग्ली' ने अपने नाम नया रिकॉर्ड कर लिया है। ये फिल्म साल 2025 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली तमिल फिल्म बन गई है।

कंगना बोलीं- नेहरू को अंबेडकर से थी जलन

हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट ने सोमवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर से जलन थी। कंगना मंडी में अंबेडकर जयंती पर एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने बाबा साहेब का वास्तव में सम्मान किया है, तो वह भारतीय जनता पार्टी है। कांग्रेस ने उनका अपमान किया है। कंगना ने कहा कि कांग्रेस झूठे वादे करती है और लोगों को गुमराह करती है। उनकी करतूतें काली हैं। अब उन्होंने एक नया तरीका अपनाया है। ये लोग संविधान की किताब को दिखावा करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। बाबा साहेब अंबेडकर के नाम को उछालते हैं और उनका नाम केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए इस्तेमाल करते हैं। कंगना यहीं नहीं रुकीं आगे उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान किया गया और फिर उन्हें कैबिनेट से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि नेहरू को अंबेडकर की समझ और बुद्धि से जलन होती थी। वहीं, बीजेपी की तारीफ करते हुए कंगना ने कहा भाजपा ने अंबेडकर को असली सम्मान दिया। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंबेडकर को न सिर्फ भारत रत्न दिया, बल्कि उनके जीवन से जुड़े पांच खास जगहों को पवित्र मानकर उन्हें भगवान जैसा सम्मान भी दिया है। बता दें, कंगना रनोट हमेशा अपने बेबाक अंदाज के कारण चर्चा में बनी रहती हैं।

आलिया भट्ट ने मनाया शादी के तीन साल पूरे होने का जश्न

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने हाल ही में अपनी शादी के तीन साल पूरे होने का जश्न मनाया। रणबीर-आलिया शादी के बंधन में बंधे थे। तीसरी वेडिंग एनिवर्सरी पर कपल को हर तरफ से बधाईयां मिलीं। वहीं आलिया ने भी एक बेहद प्यारी सी तस्वीर शेयर करते हुए रणबीर संग अपनी तीसरी शादी की सालगिरह मनाई। आलिया ने इंस्टाग्राम पर रणबीर के साथ अपने निजी पल की एक अनसीन फोटो शेयर की, जिसमें दोनों समुद्र किनारे ट्रॉपिकल वेकेशन का लुत्फ उठाते दिखे। सनसेट की रोशनी में आलिया रणबीर के कंधे पर प्यार से सिर टिकाए हुए दिखाई दे रही हैं, जबकि रणबीर क्लोज-अप सेल्फी क्लिक कर रहे हैं। इस पोस्ट में जिस चीज ने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा, वह था आलिया का प्यारा दो शब्दों वाला कैप्शन। रणबीर संग अपनी ये प्यारी सी तस्वीर शेयर करते हुए आलिया ने कैप्शन में लिखा- 'होम, ऑलवेज।

प्लास्टिक सर्जरी के आरोपों पर राधिका मदान का जवाब

एक्ट्रेस राधिका मदान का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो में उनके लुक को लेकर यूजर्स दावा कर रहे हैं कि राधिका ने प्लास्टिक सर्जरी कराई है। हालांकि अब इस मामले में राधिका ने ट्रोलर्स को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि बस एआई का इस्तेमाल करके वीडियो को एडिट किया गया है। दरअसल, हाल ही में राधिका एक इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक कलर की ड्रेस पहन रखी थी। लेकिन जैसे ही उनका वीडियो सामने आया, सभी की नजर उनके बदले हुए लुक पर गई। इतना ही नहीं, जिस अकाउंट से राधिका का यह वीडियो शेयर किया गया, उसके कैप्शन में लिखा था- 'कलर्स के फेमस शो की इशानी याद है? इतनी कॉस्मेटिक सर्जरी के बाद अब राधिका मदान को पहचानना मुश्किल हो गया है। इसके बाद से ही सोशल मीडिया यूजर्स ने राधिका मदान की तुलना मौनी रॉय से करनी शुरू कर दी। कई यूजर्स का कहना था कि राधिका ने वाकई मौनी रॉय से प्रेरणा ली है, 'नया चेहरा, नई वाइब।' इसके अलावा, कई लोगों के मन में यह सवाल भी उठने लगा कि क्या राधिका ने वास्तव में कॉस्मेटिक सर्जरी कराई है। हालांकि, अब राधिका ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बस इतनी ही आइब्रो ऊपर की है एआई का इस्तेमाल करके? और कर लो यार... ये तो फिर भी नेचुरल लग रहा है!' राधिका मदान ने बातचीत के दौरान कहा था कि जो लोग कॉस्मेटिक सर्जरी कराते हैं, वह उनका सम्मान करती हैं और उन्हें जज नहीं करतीं। राधिका ने बताया कि उन्हें अब तक ऐसी किसी सर्जरी की जरूरत महसूस नहीं हुई, हालांकि लोग अक्सर कहते थे कि उनका जबड़ा टेढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह भविष्य में कॉस्मेटिक इंजेक्शन्स लेंगी या नहीं, यह पूरी तरह समय और परिस्थिति पर निर्भर करेगा।

जब ईशा देओल पर ड्रग एडिक्ट होने का लग गया था लेबल

बॉलीवुड के दिग्गज स्टार्स धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल ने 2002 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्हें 'धूम' और 'ना तुम जानो ना हम' जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी मिली। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार उन्हें ड्रग एडिक्ट करार दिया गया था। इस बात का खुलासा खुद ईशा ने एक लेटेस्ट में किया है। ईशा ने हाल ही में विक्रम भट्ट की फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से पर्दे पर कमबैक किया है। अभिनेत्री ने राम कमल मुखर्जी द्वारा लिखी गई हेमा मालिनी की बायोग्राफी में इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना चाहूंगी कि मैं ड्रग्स के सख्त खिलाफ हूं और मैंने इसे कभी छुआ तक नहीं है। जब वह आर्टिकल (उनके ड्रग एडिक्ट होने के बारे में) सामने आया, तो मैं इतनी उदास और हर्ट हुई कि मैंने अपनी मां से कहा कि वह मेरा ब्लड टेस्ट करवा सकती हैं।' ईशा ने आगे कहा, 'मैं कभी ऐसा कुछ नहीं करती जिससे मेरे माता-पिता को शर्म आए। हां, मैं पार्टी करती, अपने दोस्तों के साथ कुछ ड्रिंक्स लेती, मैं अपनी मौज-मस्ती करती और क्यों नहीं? वह सही उम्र और समय था। उस उम्र में, हर कोई पार्टी करता और पीता है। एकमात्र मुद्दा यह था कि मैं लोगों की नजरों में थी।' इस बायोग्राफी में ईशा ने अपनी मां से तुलना के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था, 'फिल्मों के रिलीज होने और चीजें लिखे जाने के बाद प्रेशर पंप शुरू हुआ. तब मुझे लगा कि वे मेरी पहली फिल्म में मेरी तुलना मेरी मां से कर रहे हैं, जिन्होंने 200 फिल्में की हैं.' बता दें कि भरत तख्तानी से शादी करने के बाद ईशा दो बेटियों की मां बनी. वहीं परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए ईशा कई सालों तक फिल्मों से दूर रहीं. उन्होंने पिछले साल पति भरत तख्तानी से तलाक की घोषणा की और इस साल फिल्मों में वापसी भी कर ली।

सुनीता ने तलाक की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी, हमारे मुंह से न सुनो तो विश्वास मत करो

कुछ समय पहले ही गोविंदा और सुनीता आहूजा तलाक की खबरों से सुर्खियों में आ गए थे। रिपोर्ट्स थीं कि सुनीता ने कोर्ट में तलाक की अर्जी भी दे दी है। इसी बीच जब खबरें आईं कि सुनीता और गोविंदा अलग-अलग घरों में रह रहे हैं तो खबरों ने और तूल पकड़ना शुरू कर दिया। हालांकि, अब सुनीता ने तलाक पर बयान देते हुए इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है। बॉम्बे फैशन वीक में सुनीता ने इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में तलाक पर कहा है, 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है, चाहे जो भी न्यूज आ जाए, मैंने पहले भी बोला है कि जब तक हमारे मुंह से नहीं सुनोगे विश्वास मत करना। कोई भी न्यूज पर रिएक्ट मत करना आप, जब तक हम न मुंह खोलें।' सुनीता आहूजा ने हाल ही में बॉम्बे फैशन वीक में बेटे यशवर्धन के साथ रैंपवॉक की थी। उनके रैंप पर आते ही फोटोग्राफर्स को गोविंदा की कमी खलने लगी और उन्होंने पूछना शुरू कर दिया कि गोविंदा कहां हैं। इस पर सुनीता ने चुप्पी साध ली। कुछ देर बाद जब शो खत्म हुआ तब भी सुनीता से पूछा गया था कि गोविंदा कहां हैं, ये सुनते ही सुनीता इंटरव्यू अधूरा छोड़कर ही वहां से निकल गईं। सुनीता आहूजा ने कुछ समय हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वो और गोविंदा पिछले 12 सालों से अलग रह रहे हैं।

आईपीएल में प्रियांश आर्या की बैटिंग बेहतरीन

इंडिया के बेस्ट विकेटकीपर हैं के. राहुल : मार्क बाउचर

एजेंसी ● कोलकाता

साउथ अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर मार्क बाउचर ने कहा कि केएल राहुल इंडिया के बेस्ट विकेटकीपर हैं। वे ही भविष्य में भारत के लिए ज्यादातर मैच खेलते नजर आएंगे। आईपीएल में युवा प्लेयर्स पर बाउचर बोले- प्रियांश आर्या और दिग्वेश राठी ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। जियोस्टार एक्सपर्ट बाउचर ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आरसीबी को टूनार्मेंट में आगे बढ़ने के लिए होमग्राउंड पर भी जीतना होगा। टीम बाहर जाकर अच्छा कर रही है, उन्हें घर में भी विनिंग फॉर्म लाना होगा।

बाउचर बोले, हर आईपीएल सीजन में कुछ यंगस्टर्स परफॉर्म करते हैं। पंजाब किंग्स के प्रियांश ने बेहतरीन शतक लगाया, उनके सामने विकेट गिरते रहे, लेकिन उन्होंने बेहतरीन बैटिंग की और सेंचुरी लगाई। लखनऊ के दिग्वेश राठी ने भी बहुत इम्प्रेस किया है, उन्होंने रवि बिश्नोई को भी पीछे कर दिया है। प्रियांश की टेक्निक बहुत अच्छी है, वे फ्रंट फुट पर बहुत खेलते हैं। मुझे लगता है कि अगर उन्हें शॉर्ट बॉल पर थोड़ा टेस्ट किया जाए तो उन्हें परेशानी हो सकती है।

बाउचर बोले, उनकी टीम स्पिरिट बहुत अच्छी है। जब आप बाहर जाते हैं तो आप बहुत सारी टीम एक्टिविटी करते हैं। आरसीबी को इसी का फायदा मिल रहा है। इस सीजन होम टीमों के लिए पिचों ने बहुत बड़ा रोल प्ले किया है। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच इस सीजन बैटिंग फ्रेंडली नहीं मिली है, मुझे लगता है कि घर में उनकी हार की बड़ी वजह यही है। अगर बेंगलुरु को टूनार्मेंट में आगे बढ़ना है तो अपने होमग्राउंड पर भी जीतने की आदत डालनी होगी।

बाउचर ने आगे कहा, केएल राहुल इस सीजन बेहतरीन परफॉर्म कर रहे हैं। भारत के लिए फ्यूचर विकेटकीपर्स में राहुल इस वक्त मुझे बेस्ट लग रहे हैं। मैच के दौरान विकेटकीपर के पास मैच का बेस्ट व्यू होता है। राहुल सभी विकेटकीपर में अच्छा कर रहे हैं। उनके अलावा जुरेल और पंत ने भी अच्छी परफॉर्म किया है। फिर भी मैं केएल को बेस्ट मानूंगा। विकेटकीपर अब एक ऑलराउंड पोजिशन हो चुकी है। टीमों को चाहिए कि प्लेइंग-11 का बेस्ट विकेटकीपर बैटिंग भी अच्छी करता हो। जब आप अच्छी बैटिंग करते हो तो वही कॉन्फिडेंस आपकी विकेटकीपिंग में भी रहता है।

टैलेंट स्काउट में बेस्ट टीम है मुंबई इंडियंस

बाउचर ने आगे कहा, मुंबई इंडियंस का स्काउटिंग बिजनेस बेहतरीन है। मैनेजमेंट बहुत सारे एक्स प्लेयर्स को देशभर में भेजकर खिलाड़ी तराशती है। उन्हें प्रैक्टिस के लिए बुलाया जाता है, उनसे सवाल पूछे जाते हैं। इनमें से 40-50 प्लेयर्स को सिलेक्ट कर इंग्लैंड ले जाया जाता है, उन्हें ट्रेनिंग दी जाती है, उन्हें मुंबई इंडियंस की फिलोसॉफी के बारे में बताया जाता है, फिर देखा जाता है कि वे कैसा रिएक्ट करते हैं।

वानखेड़े स्टेडियम में अब रोहित शर्मा के नाम पर भी होगा स्टैंड

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े स्टेडियम में एक स्टैंड होने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसका फैसला मंगलवार को एमसीए की वार्षिक आम बैठक के दौरान हुआ। इसके अतिरिक्त भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार और पूर्व बल्लेबाज अजीत वाडेकर के नाम पर भी स्टैंड बनाया जाएगा। इन तीन दिग्गजों के नाम पर स्टैंड का नाम रखने का प्रस्ताव राजनेता और एमसीए शीर्ष परिषद के सदस्य मिलिंद नार्वेकर द्वारा रखा गया था। मुंबई क्रिकेट संघ ने एक बयान में कहा, वार्षिक आम बैठक के दौरान पारित एक अन्य प्रमुख प्रस्ताव वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड के नामकरण को मंजूरी देना था। यह प्रस्ताव शुरू में मिलिंद नार्वेकर द्वारा रखा गया था और जितेंद्र आव्हाड ने इसका समर्थन किया। सदन ने सर्वसम्मति से स्टैंड के नामकरण को मंजूरी दे दी। भारत ने रोहित की कप्तानी में दो आईसीसी खिताब जीते हैं। रोहित ने अपने करियर में 2024 टी20 विश्व कप और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती, लेकिन वह 2023 में वनडे विश्व कप का खिताब जीतने से चूक गए थे। अगला विश्व कप 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होना है। रोहित 2011 में विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने से चूक गए थे। वह 2015 में एक खिलाड़ी और 2019 में उपकप्तान के तौर पर खेलने उतरे थे। रोहित के पास 2023 में वनडे विश्व कप जीतने का अच्छा मौका था और उनके नेतृत्व में टीम ने लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया था, लेकिन टीम को खिताबी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी।

अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों के बाद भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच तीन टी20 और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को भारतीय टीम के बांग्लादेश दौरे का पूरा कार्यक्रम घोषित कर दिया। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरूआत 17 अगस्त को होगी। दूसरा मैच 20 अगस्त को खेला मीरपुर में खेला जाएगा। इस सीरीज के शुरूआती मुकाबले मीरपुर में खेले जाएंगे। वहीं, तीसरा मैच 23 अगस्त को चट्टोग्राम में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरूआत होगी। पहला मुकाबला 26 अगस्त को खेला जाएगा जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 29 और 31 अगस्त को होगा।

पंजाब ने कोलकाता को दिए दो गहरे जख्म

2024 में सबसे बड़ा चेज किया, अब सबसे छोटे लक्ष्य का किया बचाव

एजेंसी ● मुल्लांपुर

आईपीएल 2025 में मंगलवार को पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर फैंस का दिल जीत लिया। श्रेयस अय्यर की टीम ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव किया। पिछले दो साल में यह टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को दो गहरे जख्म दे चुकी है। साल 2024 में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के अलावा अब सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव किया। इसने केकेआर की टीम को झकझोर कर रख दिया है। इतना ही नहीं, पंजाब ने कई वर्षों से चले आ रहे एक सिलसिले को भी तोड़ा है।

पंजाब ने मंगलवार को 111 रन पर ऑल आउट होने के बाद केकेआर की पारी को 95 रन पर समेट कर आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड चेन्नई सुपर किंग्स के नाम था। सीएसके ने ऐसा 2009 में पंजाब के खिलाफ किया था। तब चेन्नई ने 116 रन बनाए थे और इसका बचाव किया था। वहीं, साल 2024 में जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब पंजाब ने कोलकाता के दिए 262 रन के लक्ष्य को दो विकेट गंवाकर सफलतापूर्वक हासिल किया था। यह आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा चेज था। पंजाब ने इसे 18.4 ओवर में हासिल किया था। जॉनी बेयरस्टो ने 48 गेंद में 108 रन की नाबाद पारी खेली थी, जबकि शशांक सिंह ने 28 गेंद में 68 रन बनाए थे। इसके अलावा प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंद में 54 रन की पारी खेली थी।

इससे पहले आईपीएल में सबसे बड़े चेज का रिकॉर्ड राजस्थान के नाम था। उसने 2020 में पंजाब के खिलाफ 224 रन का लक्ष्य हासिल किया था। कोलकाता को दोनों बार पंजाब का दंभ झेलना पड़ा है और दोनों मैच में उनके पास पंजाब के खिलाड़ियों का कोई जवाब नहीं रहा। 2024 में जब पंजाब से कोलकाता को हार मिली थी, तब श्रेयस कोलकाता के ही कप्तान थे। अब सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव करते वक्त वह पंजाब के कप्तान हैं। इतना ही नहीं, पंजाब और कोलकाता के बीच खेले गए पिछले आठ मुकाबलों में मंगलवार के मैच से पहले तक ऐसा होता रहा है कि एक मैच पंजाब की टीम जीतती थी और एक मैच कोलकाता की टीम। हालांकि, यह सिलसिला अब टूट चुका है।

पंजाब ने कोलकाता के खिलाफ पिछले दोनों मैच जीते हैं। रिकॉर्ड चेज के बाद अब उन्होंने सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव भी किया। मैच की बात करें तो युजवेंद्र चहल ने लय में वापसी करते हुए 28 रन पर चार विकेट लेकर आईपीएल के कम स्कोर वाले मैच में मंगलवार को मुल्लांपुर में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स को 16 रन की यादगार जीत दिलाई। पंजाब किंग्स को 15.3 ओवर में 111 रनों पर रोकने के बाद केकेआर सात ओवर में दो विकेट पर 60 रन बनाकर आसान जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन इसके बाद चहल ने केकेआर के मध्य क्रम को झकझोर कर पंजाब को रोमांचक जीत दिलाई। केकेआर की टीम 15.1 ओवर में 95 रनों पर ऑल आउट हो गई। पंजाब के लिए मार्को यानसेन ने भी तीन विकेट लिए, जबकि अर्शदीप, जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक सफलता मिली। आईपीएल में यह सिर्फ पांचवां मौका है जब दोनों टीमें ऑल आउट हो गई।

पंजाब किंग्स ने तोड़ा 16 साल पुराना रिकॉर्ड, आईपीएल में सबसे कम लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया

एजेंसी ● लखनऊ

स्पिनर युजवेंद्र चहल की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइटडर्स (केकेआर) को 16 रनों से हराया। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए, लेकिन जवाब में केकेआर की पूरी टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गई। पंजाब ने इस तरह आईपीएल इतिहास में सबसे कम लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव कर लिया। पंजाब ने इस मामले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

सीएसके ने डरबन में 2009 में पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में सबसे कम लक्ष्य का बचाव किया था। उस वक्त सीएसके ने 117 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया था। पंजाब की टीम आठ विकेट पर 92 रन ही बना पाई थी। अब श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम ने 16 साल बाद इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा और केकेआर को 112 रन का लक्ष्य हासिल नहीं करने दिया। केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच हमेशा ही दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलता है। पिछले सीजन पंजाब ने केकेआर के ही खिलाफ आईपीएल का सबसे सफल लक्ष्य हासिल किया था। वहीं, अब आईपीएल का सबसे कम स्कोर का बचाव कर लिया।

पंजाब किंग्स के छह मैचों में चार जीत और दो हार के साथ आठ अंक हैं और वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। वहीं, केकेआर की टीम सात मैचों में तीन जीत और चार हार के साथ छह अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर खिसक गई है। गुजरात टाइटंस की टीम छह मैचों में चार जीत और दो हार के साथ आठ अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। चहल इस मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईपीएल में सर्वाधिक बार चार या इससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में केकेआर के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन की बराबरी कर ली जिन्होंने चहल की तरह आईपीएल में आठ बार चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं। केकेआर के खिलाफ यह तीसरी बार है जब चहल ने चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं। यह किसी गेंदबाज का किसी टीम के खिलाफ सर्वाधिक बार ऐसा करना है। लसिथ मलिंगा ने सात बार ऐसा किया है, जबकि कैगिसो रबाडा ने छह और अमित मिश्रा ने पांच बार ऐसा किया है।

केकेआर की खराब बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी भी समय केकेआर की स्थिति अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में विकेट गंवाए। हालांकि, कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे अंगकृष रघुवंशी के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही केकेआर की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। अंत में आंद्रे रसेल ने जरूर कुछ बड़े शॉट खेलकर टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरने के कारण वह अपनी इस कोशिश में सफल नहीं हुए। केकेआर के लिए रघुवंशी ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए, जबकि रहाणे ने 17 और रसेल ने 17 रन बनाए। इन तीन बल्लेबाजों के अलावा केकेआर का कोई बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका, जबकि उसके तीन बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल सके। पंजाब के लिए चहल ने चार ओवर में 28 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए और टीम को अभूतपूर्व जीत दिलाने में अहम योगदान दिया।

गांगुली की सिफारिश... वनडे में दो बॉलों के नियम में बदलाव होगा

हरारे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल वनडे में दो बॉल के नियम में बदलाव पर विचार कर रही है। इस सप्ताह जिम्बाब्वे के हरारे में हुई बैठक में क्रिकेट कमेटी ने पारी के 35वें ओवर से केवल एक बॉल का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही टेस्ट में 60 सेकेंड का स्टॉप क्लॉक भी लागू हो सकता है। मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस नियम के शुरूआत की सिफारिश की है। इसके मुताबिक प्रत्येक पारी की शुरूआत दो नई गेंदों से होगी, जैसा कि अभी होता है। लेकिन बॉलिंग करने वाली टीम को 34वें ओवर के बाद यह फैसला लेना होगा कि वे किस बॉल से खेलना चाहती हैं। कमेटी ने मीटिंग में पहले 25 ओवर के बाद गेंद बदलने पर विचार किया था। लेकिन इसे कई मेंबर्स से समर्थन नहीं मिला। उनका कहना था कि, 17 ओवर तक बॉल का इस्तेमाल करने के बाद ही यह तय करना ज्यादा सही होगा कि कौन सी गेंद का इस्तेमाल जारी रखा जाए। बोर्ड इस महीने की आखिर में इस पर अपना फैसला सुना सकती है। अक्टूबर 2011 से वनडे में दो नई बॉल का नियम लागू है। अभी वनडे में दो नई बॉल का दोनों साइड से इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में गेंद सख्त बनी रहती है जिससे बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का मौका मिलता है। आईसीसी के एक सदस्य ने बताया, कमेटी ने तीन नियमों में बदलाव करने के बारे में सोचा है।

श्रेयस अय्यर बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली। भारतीय बैटर श्रेयस अय्यर को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला है। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पीछे छोड़कर यह अवॉर्ड हासिल किया। वहीं, श्रेयस ने दूसरी बार यह अवॉर्ड जीता है। इससे पहले 2022 में उन्होंने फरवरी में इसे जीता था। भारत ने लगातार दूसरी बार ये अवॉर्ड जीता है। इससे पहले फरवरी में शुभमन गिल प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए थे। श्रेयस ने भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्रेयस मार्च महीने में कुल 3 वनडे मैच खेले और 57.33 की औसत से 172 रन बनाए। इस दौरान उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के एक मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 79 रन, सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 45 रन बनाए और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 48 रन बनाकर भारत को चैंपियन बनाया। शानदार बल्लेबाजी करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के टॉप स्कोरर थे। फरवरी-मार्च में खेले गए टूनार्मेंट में उन्होंने 5 मैचों में 243 रन बनाए थे। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ 56 और न्यूजीलैंड के खिलाफ 79 रन की अर्धशतकीय पारी शामिल है। श्रेयस ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में अक्षर पटेल के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े। उन्होंने 48 रन की पारी खेली। इस मैच को भारत ने 4 विकेट से अपने नाम किया था। रोहित शर्मा ने फाइनल मैच में 76 रन की पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

रहाणे बोले- पंजाब के खिलाफ हार के लिए मैं जिम्मेदार

एजेंसी ● मुल्लांपुर

पोंटिंग ने चहल को लेकर कही चौंकाने वाली बात

आईपीएल 2025 में मंगलवार को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। इस लो स्कोरिंग मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए थे। जवाब में कोलकाता की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। केकेआर की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की जिम्मेदारी खुद पर ली है। वहीं, पंजाब के कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि इस मुकाबले से पहले युजवेंद्र चहल को फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। उन्हें चोट लगी थी, लेकिन इसके बावजूद वह खेले। चहल प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। पंजाब ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।रहाणे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उनकी टीम ने बहुत खराब बल्लेबाजी की। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, 'मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं, मैंने गलत शॉट खेला था।' रहाणे युजवेंद्र चहल की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हुए, लेकिन मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ रिव्यू नहीं लेने का उनका फैसला महंगा साबित हुआ। रिप्ले में गेंद ऑफ स्टंप से बाहर निकलती दिख रही थी। रहाणे ने कहा कि वह पूरी तरह पक्का नहीं थे कि गेंद विकेट के बाहर निकलेगी। उन्होंने कहा, 'वह गेंद विकेट को मिस करती, लेकिन सब कुछ वहीं से शुरू हुआ। उस समय कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था। मै खुद भी पक्का नहीं था, इसलिए रिव्यू नहीं लेने का फैसला किया।'

रहाणे के आउट होते ही केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने आखिरी आठ विकेट 33 रन के अंदर गंवा दिए। रहाणे ने खराब बल्लेबाजी पर हार का ठीकरा फोड़ते हुए कहा, 'पिच आसान नहीं थी, लेकिन 111 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता था। बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हमने बहुत ही खराब प्रदर्शन किया। हमारे गेंदबाजों ने पंजाब जैसे मजबूत बल्लेबाजी यूनिट के खिलाफ बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हमने बल्लेबाजी में लापरवाही दिखायी और पूरी टीम को भी इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।'वहीं, मैच के बाद पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, 'हृदय गति अभी भी तेज है। मैं अब 50 साल का हूं और इस तरह के मैच देखने की आदत नहीं है। 112 का बचाव करते हुए हमने 16 रन से जीत हासिल की। मैंने पहली पारी के बाद अपने खिलाड़ियों से कहा था कि इन जैसे छोटे लक्ष्य कभी-कभी सबसे कठिन होते हैं। विकेट आसान नहीं था। गेंद रुक रुक कर आ रही थी, लेकिन चहल के बारे में क्या ही कहना! क्या गेंदबाजी स्पेल था उनका! चहल को कंधे की चोट की वजह से फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। मैं उन्हें वार्म-अप से लेकर आया और उनकी आंखों में देखकर पूछा- दोस्त क्या आप ठीक हैं? उन्होंने कहा कि कोच मैं 100 प्रतिशत ठीक हूं। मुझे खेलने दें और अब देखें क्या शानदार गेंदबाजी की उन्होंने।'

पोंटिंग की अब तक की सबसे बेहतरीन जीत

पोंटिंग ने कहा, 'अगर हम यह मैच हार भी जाते तो भी हम दूसरे हाफ में जिस तरह से आगे बढ़े उस पर मुझे गर्व होता। हमारी बल्लेबाजी खराब थी, शॉट चयन और उसे खेलना, सब खराब था, लेकिन जब मैंने हमें गेंदबाजी के लिए मैदान पर उतरते हुए देखा तो मैं समझ गया था। हमें जल्दी विकेट मिले और हमने जो कमी बल्लेबाजी में छोड़ी थी, वह गेंदबाजी में नहीं दिखी। हमें विश्वास था और मैदान में पूरी ऊर्जा के साथ खेले जो देखने लायक था। इसलिए अगर हम हार भी जाते तो भी मैं उनसे कहता कि ये आत्मविश्वास बताता है कि आप इस सीजन के लिए तैयार हैं। मुझे लगता है कि मिड इनिंग्स में दुनिया भर में बहुत सारे लोग ये मानकर बैठे थे कि हम इसका बचाव नहीं कर सकते थे। इसलिए सभी लड़कों को श्रेय। वे इस मैच में गजब का खेले। मैंने आईपीएल में बहुत सारे मैचों में कोचिंग की है और यह मेरे

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 17 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

युद्ध के जख्मों पर प्रकृति का मरहम...

लंबे समय से इजराइल द्वारा गाजा पर हमले जारी है। युद्ध के बीच दक्षिणी इज़राइल में इज़राइल-गाजा सीमा के पास युद्ध के जख्मों पर प्रकृति ने मरहम लगाया। यहां खेतों में बटरकप फूलों की बहार आई हुई है, जिसे देखने बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं।

शॉट न्यूज

अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का आया भूकंप

काबुल। अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "बुधवार तड़के स्थानीय समयानुसार 4:43 बजे अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है। भूकंप का केंद्र 35.83 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.60 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 75 किलोमीटर की गहराई पर था।" अभी तक किसी के हताहत होने या इमारतों को नुकसान की कोई तत्काल खबर नहीं है, लेकिन अधिकारी और मानवीय एजेंसियां स्थिति पर करीब से नजर रख रही हैं। हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला (जो उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में फैली है) यह अत्यधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां जटिल टेक्टोनिक संरचना के कारण भूकंप बार-बार आते हैं।

इजराइली पर्यटकों की एंट्री पर मालदीव ने लगाया प्रतिबंध

माले। मालदीव ने देश में इजराइली टूरिस्ट्स की एंट्री पर बैन लगा दिया है। सरकार ने मंगलवार को घोषणा करते हुए बताया कि यह फैसला फिलीस्तीनी लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया गया है। मालदीव की संसद ने इसके लिए विधेयक को पास कर दिया है। इसे राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक यह बैन तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने बयान जारी कर इजराइल पर अत्याचार और नरसंहार का आरोप भी लगाया। हालांकि इजराइल ने आरोपों को खारिज कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस साल फरवरी में 2.14 लाख विदेशी पर्यटकों ने मालदीव का दौरा किया था। इनमें सिर्फ 59 इजराइली थे। पिछले साल करीब 11 इजराइली पर्यटक मालदीव के दौरे पर गए थे, जो कुल पर्यटकों का 0.6% था।

पाकिस्तान में गर्मी की मार: सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्मी पड़ने की आशंका जताई है

तापमान 49 डिग्री तक पहुंचने के आसार

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के कई शहर इस वक्त भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। पाकिस्तान के मौसम विभाग ने 14 से 18 अप्रैल के बीच देश के कई हिस्सों में सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्मी पड़ने की आशंका जताई है। बलूचिस्तान प्रांत में तो अधिकतम तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। तापमान के 50 डिग्री पहुंचने से इंसान को जान का खतरा हो सकता है। बलूचिस्तान के डेरा मुराद जमाली शहर में रहने वाले अयूब खोसा ने सीएनएन को बताया कि इस बार गर्मी से लोग बेहाल हैं। यहां दिन में 16 घंटे बिजली कटौती हो रही है, इस वजह से गर्मी काटना और भी मुश्किल हो गया है। भारत में भी गर्मी से लोगों के हाल बेहाल हैं। मौसम विभाग ने देश के कुछ हिस्सों में लोगों को सामान्य से अधिक गर्म दिनों के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। राजधानी दिल्ली में इस महीने में तापमान तीन बार 40 डिग्री पार कर चुका है, जो सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार को राजस्थान के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया। आम तौर पर दोनों देशों में मई और जून में हीट वेव्स चलती हैं, लेकिन इस साल हीट वेव्स का मौसम समय से पहले आ गया है और इसके लंबे समय तक चलने की आशंका है।

आशंका

2050 तक भारत में इंसानी क्षमता से परे होगा तापमान – एक्सपर्ट्स का कहना है कि हाल के दशकों में भारत और पाकिस्तान में बहुत तेज गर्मी की वजह से हजारों लोग मारे गए हैं। जलवायु विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 2050 तक भारत में तापमान इंसानी शरीर की क्षमताओं को पार कर जाएगा। हीट वेव्स से प्रेग्नेंट महिलाओं और अजन्मे बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा रहता है। तेज गर्मी की वजह से गर्भावस्था में अचानक कमी और समय से पहले बच्चे पैदा होने की समस्या होती है।" गर्मियों में, 80% बच्चे मौसम की वजह से श्वसन संबंधी समस्याओं के साथ समय से पहले पैदा होते हैं। हम प्रेग्नेंसी के वक्त हाई ब्लड प्रेशर में भी बढ़ोतरी भी देखते हैं, जिससे प्रीक्लेम्पसिया हो सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक तेज गर्मी की वजह से भोजन की कमी और सूखे से लेकर बर्फ पिघलने से अचानक बाढ़ तक के खतरे हो सकते हैं। ज्यादा तापमान की वजह से फसलें समय से पहले पकने लगती हैं और उपज घट जाती है।

तेज गर्मी की वजह से फसल चक्र गड़बड़ा रहा

पर्यावरण कार्यकर्ता तोफिक पाशा के मुताबिक बहुत ज्यादा टेम्प्रेचर की वजह फल और फूल समय पर नहीं खिलते हैं या फिर गिर जाते हैं। कीटों का हमला होता है, वे फसल को नष्ट कर देते हैं। कभी-कभी बहुत ज्यादा गर्मी की वजह से फसल चक्र गड़बड़ा जाता है और फसल उत्पादन बहुत कम होता है। पाकिस्तान में पिछले कुछ सालों में हीट वेव्स की वजह से बिजली की मांग बढ़ गई थी, जिससे कोयले की कमी हो गई थी और लाखों लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ा था। एनर्जी बचाने के लिए ट्रेनें रद्द कर दी गई थीं और स्कूलों को जबरन बंद कर दिया गया था, जिससे पढ़ाई का नुकसान हुआ था। 2024 में जलवायु परिवर्तन के कारण दुनियाभर में भीषण गर्मी के दिनों में 41 दिन की बढ़ोत्तरी हुई थी।

अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा फिलिस्तीनी छात्र गिरफ्तार

एजेंसी ● न्यूयॉर्क

अमेरिकी नागरिकता के लिए यूएस स्टेट वर्मोंट के इमिग्रेशन दफ्तर पहुंचा एक फिलिस्तीनी युवक उस वक्त हिरासत में ले लिया गया जब वह इंटरव्यू देने अंदर गया था। युवक का नाम मोहसिन महदावी बताया जा रहा है, जो पिछले एक दशक से अमेरिका में रह रहा है और 2015 से ग्रीन कार्ड धारक है। उसे इमीग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट के एजेंटों ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज कार्यालय से गिरफ्तार किया।

महदावी कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई पूरी कर चुका है और आगामी सत्र में मास्टर डिग्री शुरू करना वाला था। गाजा युद्ध के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में उसने सक्रिय भूमिका निभाई थी। उसके वकीलों का आरोप है कि यह गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया गया है। महदावी

के वकील लूना ड्रौबी ने कहा, "ट्रंप प्रशासन ने मोहसिन महदावी को फिलिस्तीनियों के समर्थन में आवाज उठाने की वजह से हिरासत में लिया है। यह न केवल प्रतिशोधात्मक है, बल्कि असंवैधानिक भी है।"महदावी की गिरफ्तारी ऐसे समय पर हुई है, जब कुछ दिन पहले उसके साथी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में सहपाठी महमूद खलील को भी हिरासत में लिया गया था। खलील को गाजा युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने के चलते \'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' बताया। खलील के निर्वासन का आदेश भी जारी हो चुका है।

23.24 कैरेट का चमकदार नीला हीरा जिसे अंगूठी में जड़ा

जिनेवा में नीलाम होगा भारत का गोलकोंडा ब्लू हीरा

एजेंसी ● जिनेवा

भारत की शाही विरासत से जुड़ा हीरा 'गोलकोंडा ब्लू' पहली बार नीलामी में बिकने जा रहा है। यह 23.24 कैरेट का चमकदार नीला हीरा है, जिसे मशहूर पेरिस के ज्वेलरी डिजाइनर जेएआर ने एक खूबसूरत अंगूठी में जड़ा है। इसे 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज नाम की नीलामी कंपनी नीलाम करेगी। इसकी कीमत 300 से 430 करोड़ रुपए (35 से 50 मिलियन डॉलर) के बीच आंकी गई है। क्रिस्टीज का कहना है कि इतने खास और शाही हीरे बहुत ही कम बार बिकने के लिए आते हैं। इसके पहले भी उन्होंने कुछ ऐतिहासिक गोलकोंडा हीरे नीलाम किए हैं, जैसे – अर्चड्यूक जोसेफ, प्रिंसी और विटेल्सबाख हीरे।

नीलामी

किंग ऑफ डायमंड हैरी विंस्टन ने नई डिजाइन के साथ बेचा

किंग ऑफ डायमंड के नाम से मशहूर अमेरिकी जौहरी हैरी विंस्टन ने 1946 में इंदौर पियर्स और 1947 में ब्लू डायमंड को खरीदा। उन्होंने बाद में इसे एक ब्रोच में सेट किया। इसमें एक 23 कैरेट का सफेद हीरा भी था। इस ब्रोच को बाद में बड़ौदा के महाराजा ने खरीदा। आगे चलकर हैरी विंस्टन ने इसे फिर से खरीद लिया और नई डिजाइन के साथ दोबार बेचा। लगभग 80 सालों के बाद यह अब फिर एक बार सार्वजनिक तौर पर नीलाम होने जा रहा है।

इंदौर के महाराजा यशवंत राव होल्कर के पास था यह हीरा

नाशपाती के आकार का यह हीरा भारत की राजशाही से जुड़ा हुआ है। क्रिस्टीज के मुताबिक, यह हीरा महाराजा यशवंत राव होल्कर (इंदौर) के पास था। महाराज यशवंत राव होल्कर 1920-30 के दशक में अपनी लक्जरी और इंटरनेशनल लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते थे। इस हीरे को यशवंत राव के पिता पेरिस के फेमस ज्वेलरी ब्रांड शॉमेट से इंदौर पियर्स हीरे खरीदे थे। 1923 में उन्होंने शॉमेट से अपने 23 कैरेट के नाशपाती के आकार वाले ब्लू डायमंड को जड़वाकर एक ब्रेसलेट बनवाया था। 1933 में महाराजा यशवंत राव ने मॉबूसेन को अपना आधिकारिक जौहरी नियुक्त किया। मॉबूसेन ने उनके गहनों को नए डिजाइन में ढाला। उसने एक लंबा हार बनाया, जिसमें गोलकोंडा ब्लू और इंदौर पियर्स दोनों शामिल थे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)